



पेज 8

इंग्लैंड में कैसा है रोहित शर्मा और विराट कोहली का रेकॉर्ड?



श्रद्धा का 'ईठा' में तूफान डांस

पेज 8



सुप्रभात

बुरे आदमी खाने-पीने के लिए जीते हैं। भले आदमी इसलिए खाते-पीते हैं कि वे जी सकें। संतोष प्राकृतिक दौलत है, ऐश्वर्य कृत्रिम गरीबी। - सुकरात



मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (24 जून) 7:19 बजे, सूर्योदय (25 जून) 6:03 बजे, तापमान: 28 डिग्री से. (हल्की बारिश।)

शॉर्ट स्टोरी

बिश्नोई के गुर्गे ने की कारखाने पर फायरिंग!

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

बिश्नोई गैंग का सदस्य होने का दावा करने वाले एक अज्ञात व्यक्ति ने पुणे के एक व्यापारी से जबरन पैसे वसूलने की कोशिश की, और कुछ लोगों ने कारोबारी की औद्योगिक इकाई पर गोली भी चलाई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस्पात के सामान का कारोबार करने वाले अमोल राजेंद्र चमदाई ने वानवडी पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब 4.30 बजे उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने अपना नाम आरजू बिश्नोई बताया और धमकी देते हुए उनसे पैसे मांगे। चमदाई शिकायत करने जब फुरसुगी पुलिस बाने गए तभी रात 8.10 बजे फुरसुगी इलाके में उनके कारखाने पर चार राउंड गोली चलाई गई।

विलास घुले हत्याकांड पर बवाल, जनांदोलन

हिंदमाता नेटवर्क @ बीड

महाराष्ट्र के बीड जिले में मंगलवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब टाकली गांव के लोगों ने विलास घुले हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार आंदोलन शुरू कर दिया। वारदात को अंजाम दिव चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। जिले के टाकली गांव में कोली समाज के एक युवक के साथ मारपीट की घटना हो रही थी। विवाद को सुलझाने के लिए पहुंचे विलास घुले पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिसमें उसकी मौत हो गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

स्वास्थ्य कर्मियों से मिली नीदरलैंड की रानी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत की यात्रा पर आई नीदरलैंड्स की रानी मैक्सिमा ने मंगलवार को यहां स्वास्थ्य पेशेवरों से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य वैतनभोगी कर्मियों के वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भारत की यूपीआई पारिस्थितिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वेतन से जुड़ी वित्तीय अवसरचना की भूमिका को समझना था। वित्तीय स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की विशेष सेक्रेटरी-जनरल की विशेष सहायकार (यूनान-सजीएएसए) रानी मैक्सिमा ने कोलाबा के एचसीडी केंसर अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने सैलरीसे के पदाधिकारियों और स्वास्थ्य पेशेवरों से बातचीत की, ताकि वे चुनौतियों को समझ सकें।

मेट्रो स्टेशन पर मिला जहरीला सांप

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

सोमवार को हुई बारिश से जहां मुंबई के मौसम में टंकक आ गई, वहीं भूमिगत मेट्रो-3 के बीकेंसी स्टेशन पर एक जहरीला सांप मिलने से कुछ देर के लिए हलचल मच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 7.45 बजे बीकेंसी मेट्रो स्टेशन के ऑडिट भवन गेट नंबर 5ए के पास बेसमेंट-2 में सांप दिखाई दिया। सूचना मिलने पर तुरंत एक सर्पसैनिक को बुलाया गया, जिसने सुरक्षित तरीके से सांप को पकड़कर वहां से हटाया। सर्पसैनिक के अनुसार यह घोघास प्रजाति का विषैला सांप था। वह दीवार के एक कोने में सुस्त अवस्था में पड़ा मिला।

हिंदमाता एंकरः

महाराष्ट्र विधान परिषद में भाजपा ऐतिहासिक बहुमत के करीब, विपक्ष के पद को लेकर खींचतान हुई तेज

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

विधान परिषद चुनाव के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र विधानसभा के ऊपरी सदन में एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरी है। वहीं विपक्ष में दल-बदलू नेता (एलओपी) के पद को लेकर आंतरिक कलह में उलझे हुए हैं। वर्तमान में सक्रिय 73 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास अकेले 35 सीटें हैं, जो उसे अपने दम पर पूर्ण बहुमत के करीब ले जा रही हैं। महाराष्ट्र की संसद में भाजपा एक निर्बिवाद शक्ति के रूप में उभरी है। हाल ही में हुए सीट पुनर्गठन के बाद किसी भी विधायी विधेयक को पारित करना भागवा पार्टी के लिए अब कोई मुश्किल काम नहीं रह गया है, जिससे संसद में उन्हें प्रभावी रूप से तुरंत लाभ मिल गया है।

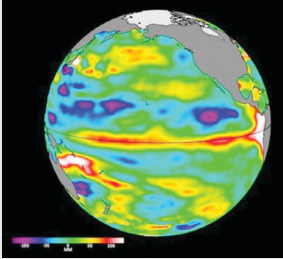
146 साल में सबसे सूखा रहेगा जून! भारत में भयंकर अकाल ला सकता है गॉडजिला?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

प्रशांत महासागर में कुछ ऐसा हो रहा है, जो भारत समेत पूरी दुनिया के मौसम को उलट-पुलट कर सकता है। नासा के सैटेलाइट ने समुद्र में जमा हो रही भारी गर्मी की तस्वीरें जारी की हैं। 8 जून 2026 को ली गई इन तस्वीरों में मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र का जलस्तर सामान्य से कहीं ज्यादा दिख रहा है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि 1997 के बाद ऐसी स्थिति नहीं बनी थी। 29 साल पहले इतिहास का सबसे शक्तिशाली अल नीनो बना था, जिसे 'गॉडजिला अल नीनो' कहा गया। अब जून 2026 में वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है। लेकिन भारत के लिए इसका क्या मतलब है...

गॉडजिला अल नीनो है क्या?

अल नीनो कोई नई चीज नहीं है। यह एक नेचुरल प्रोसेस है, जिसमें प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय इलाके का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। गॉडजिला शब्द का इस्तेमाल तब होता है जब यह अल नीनो बहुत ही ताकतवर हो। जब प्रशांत महासागर की ट्रेड विंड्स कमजोर पड़ती हैं, तो इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के पास जामा गर्म पानी पूर्व की ओर दक्षिण अमेरिका के तट की तरफ बहने लगता है। इससे ठंडे गहरे पानी का उभार कम हो जाता है और समुद्र की सतह का तापमान तेजी से बढ़ जाता है।



हालात और गंभीर हो सकते हैं

समुद्र की सतह के नीचे 'केल्विन वेल्' नाम की बड़ी-बड़ी जल तरंगें गर्मी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा रही हैं. ये तरंगें सैकड़ों किलोमीटर चौड़ी होती हैं और गर्म पानी का एक बड़ा भंडार पूर्वी प्रशांत की तरफ ले जा रही हैं। पूर्वी प्रशांत बारिश के मुकाबले 10% कम बारिश होने की संभावना है। अप्रैल में यह अनुमान 92% था। 84% संभावना है कि इस साल सामान्य से कम बारिश होगी। 60% संभावना है कि बारिश अपर्याप्त कैटेगरी में रहेगी यानी 90% से भी कम।

भारतीयों को इससे क्या लेना-देना?

अल नीनो का भारत के मानसून पर सीधा निगेटिव इम्पैक्ट होता है। जब प्रशांत महासागर गर्म होता है, तो हिंद महासागर से आने वाली नम हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। वहीं आईएमडी ने अपना पूर्वानुमान घटाकर 90% कर दिया है यानी सामान्य बारिश के मुकाबले 10% कम बारिश होने की संभावना है। अप्रैल में यह अनुमान 92% था। 84% संभावना है कि इस साल सामान्य से कम बारिश होगी। 60% संभावना है कि बारिश अपर्याप्त कैटेगरी में रहेगी यानी 90% से भी कम।

सबसे सूखा जून बना सकता है

अगर यह पूर्वानुमान सही रहा, तो 2026 11 साल में सबसे सूखा साल होगा। आखिरी बार 2015 में इतनी कम बारिश (86% एलपीए) हुई थी। मानसून की शुरुआत भी देरी से हुई। यह 4 जून को करल पहुंचा, जबकि आम तारीख 1 जून है। 23 जून तक देशभर में 46% की भारी बारिश की कमी दर्ज की गई। यह महीना 146 साल में सबसे सूखा जून बना सकता है। देश में 4 से 23 जून के बीच सिर्फ 56.7 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य 104.6 मिमी होनी चाहिए थी।

पुणे में राजा रघुवंशी जैसा हत्याकांड!

शादी से पहले मौत!

केतन अग्रवाल को मंगेतर सिया ने प्रेमी के साथ मिलकर खाई में धकेला

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

बीते शुक्रवार को महाराष्ट्र के पुणे में प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लोहगढ़ किले पर एक दर्दनाक हादसे में 26 साल के बिजनेसमेन केतन विशाल अग्रवाल की मौत खबर आई थी। इस घटना के बाद उनके परिवार में हाहाकार मच गया। शुरुआत में कहा गया कि फोटो खिंचते हुए पहाड़ी से पांव फिसलने के चलते केतन की मौत हुई है लेकिन बीते चार दिनों में जैसे-जैसे मामले की परतें खुलीं तो सामने आया कि ये सारी साजिश केतन की होने वाली पत्नी सिया गोयल ने रची थी। शादी की तैयारियों के बीच अपना बर्थडे मनाने के लिए ट्रैकिंग के बहाने पहाड़ पर ले जाकर सिया ने केतन को 350 फीट गहरी खाई में डकेल दिया। केतन को अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि अपने जिस मंगेतर सिया के प्लानमैन के लिए उसने ट्रैकिंग का प्लान बनाया वह तो उसकी मौत का प्लान बना रही है।



केतन से था सिया का अफेयर

पुलिस के अनुसार केतन की मंगेतर सिया गोयल का कथित तौर पर केतन चौधरी नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था। जांच में सामने आया है कि सिया अपनी तयशुदा शादी से खुश नहीं थी और केतन को अपने रिश्ते के बीच खसबे बड़ी बाधा मानी थी। आरोप है कि इसी वजह से दोनों ने मिलकर केतन को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। जांच में यह भी दावा किया गया है कि हत्या की साजिश एक दिन में नहीं बनी थी। पुलिस के मुताबिक 14 जून को भी लोहगढ़ किले पर केतन को खाई में धकेलने की कोशिश की गई थी। कथित तौर पर सांप का डर दिखाकर उसे असंतुलित करने का प्रयास किया गया, लेकिन वह कोशिश नाकाम रही। इसके बाद 19 जून को दोबारा ट्रैकिंग का कार्यक्रम बनाया गया। आरोप है कि इसी दौरान केतन चौधरी भी मौके पर पहुंचा और दोनों ने मिलकर केतन को करीब 350 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया।

सिया ने कैसिल किया था बाली का प्लान

केतन के परिवार का कहना है कि वह सिया से बेहद प्यार करता था और शादी को लेकर बहुत एक्साइटेट था। परिवार के अनुसार शादी से पहले दोनों की बाली यात्रा की योजना बनाई गई थी, लेकिन सिया ने पासपोर्ट खोने की बात कहकर प्लान कैसिल करा दिया। बाद में जांच में यह जानकारी सामने आई कि उसने कथित तौर पर खुद ही अपना पासपोर्ट फाड़ दिया था। परिजनों ने यह भी बताया कि सिया के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए केतन ने महाबलेश्वर के एक लज्जरी रिसॉर्ट में बड़ी पार्टी की तैयारी की थी। करीब 40 कमरे बुक किए गए थे और शादी से पहले के कई कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही थी।

जयपुर के पैलेस में होनी थी शादी

केतन अग्रवाल पुणे के प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से जुड़े थे। उनके पिता एक जाने-माने बिजनेसमैन हैं। केतन की शादी पुणे के बड़े मसाला कारोबारी परिवार की बेटी से तय हुई थी। दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां अंतिम चरण में थीं। जयपुर में एक भव्य विवाह समारोह आयोजित किया जाना था। शादी के लिए महल बुक किया गया था और मेहमानों की आवाजाही के लिए दो चार्टर्ड विमान तक बुक किए गए थे। परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि शादी से पहले ही यह रिश्ता एक सनसनीखेज आपराधिक जांच का हिस्सा बन जाएगा।

केतन के परिवार ने की न्याय की अपील

इस बीच, मृतक केतन अग्रवाल के पिता और परिवजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए अपने बेटे को न्याय दिलाने की अपील की है। मृतक के चाचा विजय अग्रवाल ने कहा कि हमें पता चला है कि केतन की हत्या हमारी ही होने वाली बहू ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर की है। पहले हमें यह एक हादसा लगी रहा था, लेकिन अब सच्चाई कुछ और ही सामने आ रही है। हमें उम्मीद है कि जांच निष्पक्ष तरीके से पूरी होगी और दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

मादक पदार्थ अपराधों से जुड़े पुलिसकर्मी बर्खास्त, महाराष्ट्र में नशा-विरोधी अभियान तेज : फडणवीस

ड्रग तस्करों के खिलाफ अभियान तेज

- ड्रग्स समस्या पर हुई तीखी बहस
- सरकार ने जीरो टॉलरेंस का किया वादा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में मंगलवार को राज्य में मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या पर तीखी बहस हुई। विपक्ष ने मुंबई, पुणे जैसे बड़े शहरी इलाकों और विदर्भ क्षेत्र में मादक पदार्थों के कथित प्रसार को लेकर महापुति सरकार को घेरा। प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा चर्चा हुई और 20 मिनट तक तीखी बहस चली जिसमें विपक्ष के नेताओं ने मादक पदार्थों के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए तत्काल एवं सख्त कार्रवाई की मांग की। विपक्ष की चिंताओं का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ड्रग माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की घोषणा की। उन्होंने सदन को सूचित किया कि राज्य सरकार ने ड्रग माफिया को खत्म करने के लिए सरकार के सभी विभागों को शामिल करने की नीति अपनाई है, जिसमें स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा समेत 15 विभाग शामिल हैं।

विपक्षी नेताओं ने गंभीर आरोप लगाए

इससे पहले, विपक्ष के नेताओं ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। शिवसेना-यूथीए के सुनील प्रभु ने दावा किया कि स्थानीय इलाकों में खुलेआम मादक पदार्थ बेचे जा रहे हैं और जानकारी होने के बावजूद पुलिस इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के जितेंद्र आव्हाड ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और दावा किया कि मादक पदार्थों के लिए संवेदनशील इलाकों में पुलिस पारिस्टिंग बेची जा रही है, जिससे ड्रग रैकेट को बढ़ावा मिलता है। वहीं कांग्रेस के नितिन राउत ने विदर्भ क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों के पास जमीनी ड्रग्स मिलने और एलएसडी जैसे सिंथेटिक पदार्थों की आसानी से उपलब्धता पर चिंता व्यक्त की।

सीनियर इंसपेक्टर होंगे जिम्मेदार

इन आरोपों का जवाब देते हुए सीएम फडणवीस ने सदन को भरोसा दिलाया कि सरकार किसी भी अधिकारी को नहीं बचाएगी। उन्होंने घोषणा की कि मादक पदार्थ से जुड़े अपराधों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी पुलिस अधिकारी को सिर्फ निलंबित नहीं बल्कि नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा। अपने अधिकार क्षेत्र में लगातार मादक पदार्थ की गतिविधियों के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

ईडी ने कंपनी के ठिकानों पर

मारे छोपे

ताजा अपडेट के मुताबिक, इस पूरे मामले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा लगातार राजेश एक्सपोर्ट पर कसता जा रहा है। ईडी ने कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी की है, जो मंगलवार सुबह से ही जारी है। ये छापेमारी बंगलुरु समेत कई जगह की गई है। सेबी के अंतरिम आदेश के तहत से ही कंपनी जांच के दायरे में थी।

सेबी ने क्या आदेश दिया था?

बीते 3 जून को जारी एक अंतरिम आदेश में सेबी ने राजेश एक्सपोर्ट्स और उसके प्रमोटर वेयरमैन राजेश मेहता को शेयर बाजार में कारोबार करने से रोक दिया था। नियामक ने 5 वित्तीय वर्षों में बड़ी फाइनेंशियल धांधली का आरोप लगाया, जिसमें 15.15 लाख करोड़ रुपए के रेवेन्यू की जानकारी फजीई पाई गई है। सेबी की ओर से आरोप लगाया गया था कि वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच कंपनी ने अपनी विदेशी सहायक कंपनियों से जुड़े राजस्व को बहुत बड़े पैमाने पर गलत तरीके से दिखाया।

शेयर में दिखा जमकर उतार-चढ़ाव

सेबी के आरोपों के बाद से राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयरों पर इसका सीधा असर देखने को मिला था और ये 3 जून को मार्केट रेग्युलेटर के आदेश के बाद भरभराकर टूट रहे थे। इस दिन से 12 जून तक कंपनी के शेयरों में 30 फीसदी से ज्यादा गिरावट आ गई थी। हालांकि, तब से अब तक स्टॉक प्राइस में करीब 40 फीसदी का उछाल भी आ चुका है। मंगलवार को शेयर बाजार में गिरावट के बाद भी राजेश एक्सपोर्ट्स में अपर सर्किट लगा।

स्नातक और शिक्षक सीटों के लिए होंगे चुनाव

इस साल के अंत तक, स्नातक और शिक्षक सीटों के लिए द्विবার्षिक चुनाव होंगे। राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा के लिए पुराने राजनीतिक हिसाब चुकता करने और अपनी सीटों की संख्या बढ़ाने का सुनहरा अवसर मानते हैं। अगर पार्टी इन 5 सीटों में से 3 सीटें भी जीत लेती है, तो उसकी सीटों की संख्या 40 से अधिक हो जाएगी, जिससे उसे अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त हो जाएगा। यह वृद्धि विधान परिषद के तीव्र विस्तार को संकेत है। महज दो महीने पहले सदन में केवल 47 सक्रिय सदस्य थे, जिससे सदन की संख्या काफी कम हो गई थी। हालांकि, मई में राज्य विधानसभा के माध्यम से 9 सदस्यों की नियुक्ति और उसके बाद स्थानीय प्राधिकरणों के निर्वाचन क्षेत्रों से 17 सदस्यों की नियुक्ति से सदन की संख्या बढ़कर 73 हो गई है।

विपक्ष आंतरिक कलह में उलझा हुआ है

जहां एक ओर सत्ताधारी गठबंधन अपनी शक्ति को मजबूत कर रहा है। वहीं विपक्ष आंतरिक कलह में उलझा हुआ है। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूथीए) दोनों ने विपक्ष के रिक्त पद पर अपना मजबूत दावा पेश किया है। मौजूदा सत्र के शुरुआती दिनों में विपक्ष की पीठ का नेतृत्व कौन करेगा, इस पर कोई फैसला होने की संभावना नहीं है।

ऑपरेशन टाइगर के बाद विधानसभा में आदित्य ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच तीखी बहस

● चुभते सवाल पर भड़के उपमुख्यमंत्री

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
'ऑपरेशन टाइगर' के तहत शिवसेना के 6 लोकसभा सांसदों के दलबदल के बाद महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र उम्मीद के मुताबिक बेहद हंगामेदार हो गया है। सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधानसभा के भीतर युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच तीखा आमना-सामना हुआ। दोनों नेताओं के बीच हुई इस भयंकर बहस और व्यक्तिगत आक्षेपों ने सदन के राजनीतिक माहौल को पूरी तरह गर्मा दिया। आदित्य ठाकरे द्वारा उठाए गए एक सवाल और उनके आक्रामक रुख के बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट भी किया, जिसके बाद शिंदे ने पलटवार करते हुए ठाकरे गुट को आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दे डाली। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब आदित्य ठाकरे के एक सवाल के दौरान उनके संबंधित विभाग के प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सदन में मौजूद नहीं थे। ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को अक्षम बताया और कहा कि वो हमेशा जवाब देने के समय गायब रहते हैं।



अभी और झटके लगेंगे: शिंदे का पलटवार

आदित्य ठाकरे के वॉकआउट करने के कुछ ही देर बाद एकनाथ शिंदे सदन में पहुंचे और विपक्ष की अनुपस्थिति में ठाकरे गुट पर बेहद आक्रामक अंदाज में बरस पड़े। शिंदे ने गुस्से में कहा कि कल जो 6 सांसदों के जाने का जोरदार झटका इन्हें लगा है, उससे इनका मानसिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया है। इन्हें आगे अभी और भी बड़े झटके लगने वाले हैं। जब किसी विभागीय कार्य की पूरी जानकारी राज्य मंत्री के पास नहीं होती, तो मैं खुद या मुख्यमंत्री सदन में आकर जवाब देते हैं। लेकिन इनके पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है, वो पूरी तरह निराश और हताश हैं। सदन में आकर बेवकूफी भरी हरकतें करना और समय बर्बाद करना ही इनका काम रह गया है।

पैसों का खेल खेल रहे हैं उपमुख्यमंत्री: आदित्य ठाकरे

एकनाथ शिंदे की अनुपस्थिति से नाराज आदित्य ठाकरे अपने विचारों के साथ सदन से बाहर आ गए और मीडिया के सामने सरकार व विधानसभा अध्यक्ष राहुल नावकर पर जमकर भड़ास निकाली। आदित्य ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री तो फिर भी सदन में बैठते हैं, लेकिन उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हमेशा जवाब देने से डरते हैं और सदन से भागने की कोशिश करते हैं। वे पूरी तरह अक्षम हैं और बाहर बैठकर सिर्फ पैसों का खेल खेल रहे हैं, गद्दारी करवा रहे हैं। जब हमने मंत्रियों की अनुपस्थिति पर आपत्ति जताई, तो अध्यक्ष राहुल नावकर झूठ बोलकर बचाव करने लगे कि ऐसा 2019-20 में भी होता था। जो अध्यक्ष गंदी राजनीति और झूठ का साथ दे, उसे तुरंत पद से हटा देना चाहिए।

शिंदे ने उलट ठाकरे से ही कर लिया सवाल

सदन के भीतर अध्यक्ष के अधिकारों और मर्यादा का बचाव करते हुए एकनाथ शिंदे ने वरिष्ठ विपक्षी नेता जयंत पाटिल को भी आड़े हाथों लिया। शिंदे ने कहा कि अध्यक्ष का निर्णय गलत बताने का अधिकार किसी को नहीं है। जयंत पाटिल जी, जरा पीछे मुड़कर देखिए और आत्मनिरीक्षण कीजिए कि 2019 से 2022 के बीच (महा विकास आघाड़ी सरकार के दौरान) सदन कैसे चलता था? क्या तब के मुख्यमंत्री कभी सदन में आकर बैठते भी थे? उनसे जवाब मांगने की हिम्मत किसी में थी? इसलिए मेरी विनती है कि आप लोग आदित्य ठाकरे को थोड़ा समझाएं और उन्हें राजनीति की गंभीरता सिखाएं। शिंदे के इस कड़े रुख और 'अभी और झटके लगेंगे' वाले बयान ने साफ कर दिया है कि 'ऑपरेशन टाइगर' के बाद महायुति के हासले बुलंद हैं और वे विपक्ष को कोई रियायत देने के मूड में नहीं हैं।

‘देर आए पर दुरुस्त आए’ मुंबई में मानसून की पहली फुहार

कहीं खुशी-कहीं गम, खुशी मुखर्जी की कार पर गिरा पेड़

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
भीषण गर्मी और पानी की किल्लत से जूझ रहे मुंबई समेत महाराष्ट्र के नागरिकों के लिए आखिरकार राहत की बड़ी खबर आ गई है। तय समय से करीब 12 दिन की देरी से ही सही, लेकिन सूबे के कई हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने धमाकेदार दस्तक दे दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज (23 जून 2026) मुंबई सहित महाराष्ट्र के विभिन्न तटीय और आंतरिक हिस्सों में मानसून के पहुंचने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की उत्तरी सीमा फिलहाल दहानू, वर्धा, रायपुर और मोतिहारी से होकर गुजर रही है, जिससे अगले दो से तीन दिनों में इसके गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं।



मुंबई में 12 दिन की देरी से पहुंचा मानसून

आमतौर पर मुंबई में मानसून के पहुंचने की सामान्य तारीख 11 जून मानी जाती है, लेकिन इस साल बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में बने चक्रवातीय समीकरणों के कारण इधरमें 12 दिनों का विलंब हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि ठीक तीन साल पहले यानी साल 2023 में भी मुंबई में मानसून ने इसी तरह 23 जून को ही दस्तक दी थी। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस देरी के बावजूद आगामी दिनों में मुंबई और कोणक क्षेत्र में अच्छी बारिश दर्ज की जाएगी, जिससे मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले जलाशयों का जलस्तर सुधरेगा।

पहले ही दिन मुंबईकरों की बड़ी परेशानी

मुंबई और उपनगरीय इलाकों में आज सुबह से ही रुक-रुक कर तेज बारिश का सिलसिला जारी है। मुंबई उपनगर के अंधेरी, बांद्रा, मलाड, कांदिवली, दहिसर, पवई, विक्रोली और घाटकोपर जैसे प्रमुख इलाकों में काले बादलों के साथ झमाझम बरसत हो रही है। इस बारिश ने जहां एक तरफ तापमान में गिरावट लाकर लोगों को उमस से राहत दी है, वहीं दूसरी तरफ पहले ही दिन मुंबई की रफ्तार पर थोड़ा ब्रेक भी लगा दिया है। तेज हवाओं और बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पेड़ और बड़ी शाखाएं गिरने की शिकायतें आपदा प्रबंधन कक्ष को मिली हैं।

अभिनेत्री खुशी मुखर्जी की कार क्षतिग्रस्त
बरसात के पहले ही दिन मुंबई के पोंश इलाके अंधेरी वेस्ट स्थित लोखंडवाला से एक बड़े हादसे की खबर आई है। वहां की एक आवासीय सोसायटी परिसर में खड़ी टेलीविजन अभिनेत्री खुशी मुखर्जी की महंगी लक्जरी कार पर अचानक एक विशाल पेड़ गिर गया। तेज हवाओं के कारण गिरे इस पेड़ के मलबे से कार का अगला हिस्सा पूरी तरह घिरेक गया है और वाहन को भारी नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद बीएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे भारी बारिश और तेज हवाओं के दौरान अपने वाहनों को कमजोर पेड़ों या खुले स्थानों में पार्क करने से बचें।

एसटी पार्सल सेवा ठप ठेका रह, सेवा बंद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) की पार्सल परिवहन सेवा संभालने वाली कंपनी का लाइसेंस रद्द किए जाने के बाद राज्यभर में पार्सल सेवा अचानक ठप हो गई है। एसटी प्रशासन ने बताया कि निविदा की शर्तों और नियमों का बार-बार उल्लंघन किए जाने के कारण यह कार्रवाई की गई। इस फैसले से हजारों ग्राहकों, व्यापारियों और कर्मचारियों के सामने नई समस्या खड़ी हो गई है।



ग्राहकों में नाराजगी
शनिवार मध्यरात्रि से कई स्थानों पर पार्सल सेवा बंद हो गई। विभिन्न डिपो और बस स्टेशनों पर पार्सल अटके पड़े हैं, जिससे ग्राहकों में नाराजगी बढ़ रही है। वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण पार्सल बुकिंग और वितरण दोनों प्रक्रियाएं प्रभावित हुई हैं।

हिंदमाता एंकरः बदलती जीवनशैली और संवादीनता प्रमुख कारण, चिंताजनक आंकड़े

तीन वर्षों में 9,088 जोड़ों ने मांगी कानूनी अलगाव की मंजूरी

नागपुर में बढ़ते तलाक

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर
महाराष्ट्र के बड़े शहर नागपुर में बदलती जीवनशैली, अहंकार और बातचीत की कमी के कारण तलाक के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। पिछले तीन वर्षों के दौरान नागपुर की पारिवारिक अदालत में कुल 9,088 जोड़ों ने तलाक के लिए अर्जी दी, जिनमें से 5,034 शायियां कानूनी तौर पर समाप्त कर दी गई हैं।



आरटीआई में हुआ खुलासा

सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मिले आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। इन आंकड़ों के अनुसार, साल 2023 में तलाक के कुल 2,540 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 1,705 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि 1,040 मामले लंबित रहे। साल 2024 में 2,596 याचिकाएं आयीं और इनमें से 1,562 मामलों में तलाक को मंजूरी मिली। वहीं, साल 2025 में सबसे अधिक 3,952 तलाक की याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें से 1,767 मामलों का निपटारा कर दिया गया।

बढ़ते विवादों की वजह

विशेषज्ञों और कानूनी सलाहकारों के अनुसार बदलती जीवनशैली के कारण साथियों में अपनी बात ऊपर रखने की प्रवृत्ति बढ़ी है और वे समझौता करने के लिए तैयार नहीं होते, जिससे लगातार विवाद होते हैं। पति या पत्नी के परिवारों का उनके निजी मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देना भी झगड़ों की एक बड़ी वजह बन रहा है। सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, दफ्तर का तनाव, आर्थिक दबाव और करियर की व्यस्तताओं के कारण जोड़ों के पास एक-दूसरे से बात करने का समय नहीं बचता, जिससे मानसिक दूरियां बढ़ रही हैं। इसके अलावा मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, शादी से पहले या शादी के बाद के अन्य संबंध और विवाह के बाद की जिम्मेदारियों को न संभाल पाना भी इसमें शामिल है।

युवा जोड़ों में बढ़ी प्रवृत्ति

पारिवारिक अदालत के वकीलों का कहना है कि अब शादी के कुछ ही वर्षों के भीतर अलग होने वाले युवा जोड़ों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। युवाओं में तालमेल की कमी, पैसों के विवाद और करियर की प्राथमिकताओं के कारण मतभेद गहरे हो रहे हैं।

विशेषज्ञों की सलाह

विशेषज्ञों का मानना है कि कानूनी अधिकारों के प्रति बढ़ती जागरूकता और समाज में तलाक को लेकर कम होती हिचक के कारण अब लोग दुखी वैवाहिक जीवन में रहने के बजाय अलग होने का विकल्प चुन रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रिश्तों को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, विश्वास, धैर्य और खुलकर बात करना बेहद जरूरी है। वे सलाह देते हैं कि विवाद बढ़ने पर जोड़ों को समय रहते पेशेवर सलाहकारों की मदद लेनी चाहिए।

डॉक्टर ने खुद को दिया एनेस्थीसिया का ओवरडोज

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

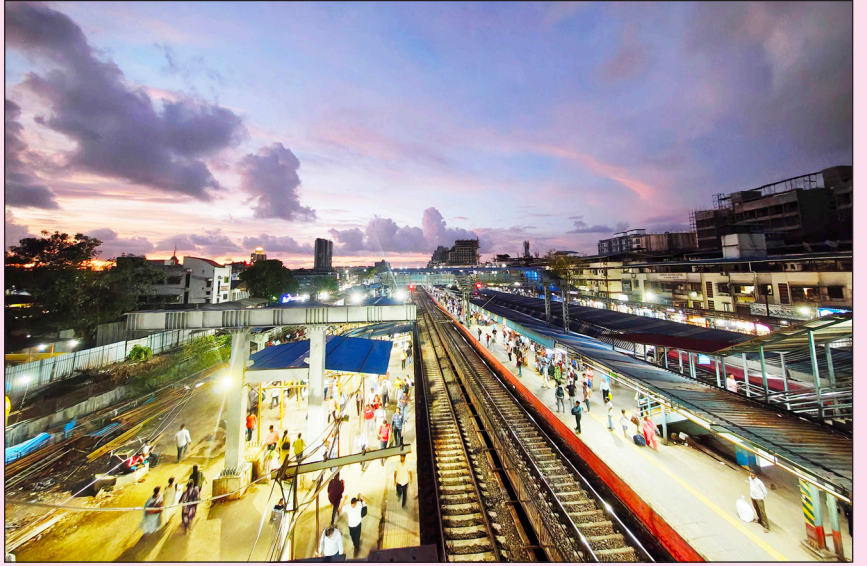
नागपुर के एक डॉक्टर ने खुद को ही एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या कर ली। मामला धंतोली स्थित न्यूरा सेंटर का है। अस्पताल में कार्यरत एक चिकित्सक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके बाद कई तरह के सवाल उठ खड़े हुए हैं। मौत की इस प्रारंभिक जांच में एनेस्थीसिया इंजेक्शन की अधिक मात्रा



लेने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर ने खुद को सोमवार को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन देकर सुसाइड कर लिया है। डॉक्टर का नाम ईश्वर चंद नरहरि चांदेकर बताया जा रहा है, जो न्यूरा सेंटर में रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। इसके साथ ही वे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यों में भी जुड़े हुए थे। पुलिस अब सारे प्लाइट्स पर जांच कर रही है।

सुसाइड की वजह क्या थी?

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉक्टर ईश्वर चंद नरहरि चांदेकर, पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया है कि हाल के दिनों में पारिवारिक विवादों के कारण भी वह परेशान थे और पिछले पांच, छह दिनों से घर नहीं गए थे। मिली जानकारी के अनुसार नियमित स्टफ को जब डॉक्टर के केबिन में कोई गतिविधियां नहीं दिखाई दीं। नियमित स्टफ ने डॉक्टर को केबिन में कई बार आवाज देने और उनसे संपर्क करने का प्रयास किया। काफी प्रयास करने के बावजूद जब कोई जवाब नहीं मिला तो कर्मचारियों को संदेह हुआ। जब वे दरवाजा तोड़कर भीतर घुसे तो देखकर चौक गए। डॉक्टर बेहोशी की हालत में जमान पर गिरे पड़े थे।



नालासोपारा में मानसून की शुरुआत के साथ आसमान में रंग-बिरंगे बादलों और प्राकृतिक छटा ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं दूसरी ओर नालासोपारा रेलवे स्टेशन पर पिछले दो वर्षों से चल रहा निर्माण कार्य अब भी अधूरा है। इसके कारण यात्रियों को इस बारिश में भी प्लेटफॉर्म पर भीगते हुए सफर करने की मजबूरी झेलनी पड़ रही है। अधूरे कार्य को लेकर यात्रियों में नाराजगी देखी जा रही है।

फोटो : सचिन हल्ले

महाराष्ट्र के हर गांव में लगेंगे वेदर स्टेशन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
फल फसल बीमा योजना के तहत किसानों को हुए नुकसान का सटीक आकलन कर उचित मुआवजा दिलाने के लिए राज्य सरकार ने प्रत्येक गांव में वेदर स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए केंद्र सरकार को जल्द ही प्रस्ताव भेजा जाएगा। यह जानकारी कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने दी। पालघर जिले में मौसम आधारित फल फसल बीमा योजना में अनियमितताओं, किसानों को मुआवजा नहीं मिलने और लॉबिड शिकायतों के



किसानों को फसल बीमा मुआवजा दिलाने की नई पहल

संबंध में मंत्रालय में आयोजित विशेष बैठक में कृषि मंत्री भरणे बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक गांव में वेदर स्टेशन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गांव-गांव में मौसम केदर स्थापित होने से प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण फसलों को हुए वास्तविक नुकसान और बीमा के मानकों का सटीक मिलान संभव हो सकेगा। इससे किसानों को होने वाले नुकसान में कमी आएगी और उन्हें उचित मुआवजा मिलने में सहायता होगी।

किसान मुआवजे से वंचित न रहे

कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने बीमा कंपनियों, बैंकों और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय बढ़ाकर लंबित मामलों का जल्द निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र किसान मुआवजे से वंचित न रहे।

किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

विशेषज्ञों का मानना है कि गांव स्तर पर वेदर स्टेशन स्थापित होने से कृषि क्षेत्र को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। मौसम संबंधी सटीक आंकड़ों के आधार पर किसानों को न केवल बीमा दावों में सहायता मिलेगी, बल्कि खेती की बेहतर योजना बनाने में भी मदद मिलेगी। इससे कृषि जोखिम कम होगा और किसानों की आय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

कृषि क्षेत्र में तकनीक का बढ़ेगा उपयोग

राज्य सरकार की यह पहल कृषि क्षेत्र में तकनीक आधारित समाधान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यदि योजना सफलतापूर्वक लागू होती है, तो मौसम आधारित बीमा योजनाओं की विश्वसनीयता बढ़ेगी और किसानों का विश्वास भी मजबूत होगा। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को बिना किसी देरी के उचित राहत और मुआवजा मिल सके।

अमरावती में पारिवारिक विवाद में हैवान बना पिता

बेटा-बहू को कार से कुचलने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात



हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती
अमरावती जिले के तिवसा इलाके से पारिवारिक विवाद की एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक पिता पर अपने ही सगे बेटे और बहू को जान से मारने की नीयत से उनके ऊपर तेज रफ्तार कार चढ़ाने का गंभीर आरोप लगा है। इस पूरी वारदात का एक खौफनाक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, तिवसा में रहने वाले एक परिवार में आपसी विवाद इस कदर बढ़ गया कि पिता ने खौफनाक कदम उठा लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी पिता और उसके बेटे-बहू के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद, जैसे ही बेटा और बहू सड़क पर आए, पिता ने गुस्से में आकर अपनी कार से उन्हें कुचलने की कोशिश की।

सीसीटीवी में कैद हुआ मंजर

इस घटना का जो वीडियो सामने आया है, वह रोंगटे खड़े कर देने वाला है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़े दंपति (पति-पत्नी) को जोरदार टक्कर मारी है। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है और इसके आधार पर मामले की जांच कर रही है।

कैश गाड़ी चोरी का खुलासा पूर्व कर्मचारी ने नाबालिग साथी के साथ रची साजिश, 3.41 लाख बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई
कांदिवली पूर्व के ठाकुर विलेज इलाके में कैश कलेक्शन करने वाले कर्मचारी की गाड़ी से 3 लाख 41 हजार रुपए चोरी होने के



मामले का समता नगर पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी और उसके नाबालिग साथी को हिरासत में लिया है। दोनों आरोपियों के पास से चोरी की पूरी रकम बरामद कर ली गई है।

26 ग्राहकों से जमा की थी राशि

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता 27 वर्षीय युवक एक निजी कंपनी में कैश अधिकारी के रूप में कार्यरत है। उसका काम विभिन्न ग्राहकों से नकद राशि एकत्र करना था। 12 जून को उसने 26 ग्राहकों से कुल 3 लाख 41 हजार 262 रुपए जमा किए थे। राशि को गाड़ी में रखने के बाद वह ठाकुर विलेज स्थित एक ग्राहक से मिलने चला गया।

कुछ मिनटों में वारदात

कर्मचारी ने अपनी गाड़ी एक पिज्जा दुकान के पास खड़ी की थी। जब वह वापस लौटा तो गाड़ी अपनी जगह पर नहीं मिली। तलाश करने पर गाड़ी थोड़ी दूरी पर मिली, लेकिन उसका पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त था और अंदर रखा कैश गंा गायब था। इसके बाद उसने समाना नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

सीसीटीवी से मिला सुराग

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो युवक हेलमेट पहनकर गाड़ी को धक्का देते दिखाई दिए। तकनीकी जांच और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने गोरेपांग पूर्व के आरे क्षेत्र से दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

अंदरूनी जानकारी का इस्तेमाल

जांच में पता चला कि गिरफ्तार 19 वर्षीय आरोपी आर्यन सकपाल पहले उसी कैश कलेक्शन कंपनी में काम कर चुका था। नौकरी के दौरान उसने कैश कलेक्शन की प्रक्रिया, कर्मचारियों के रूट और उसका पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त था और अंदर रखा कैश गंा गायब था। इसके बाद उसने समाना नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

विचार प्रवाह



अपने लक्ष्य को लेकर महत्वाकांक्षी होने से डरो मत। कड़ी मेहनत कभी नहीं रुकती, ना ही तुम्हारे सपने रुकने चाहिए।
- ड्वेन जॉनसन

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य शृंखला पर भी संकट पंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिए इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसमें दो लाख नहीं कि भारत सरकार ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष अपनी प्रतिबद्धता बार-बार जताई है। इस संकट से उबरने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के विकल्प को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया है। देश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। देश में वनों का दायरा भी बढ़ाने की जरूरत है। विकास देश की प्राथमिकता है, लेकिन यह विकास वनों के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। साथ ही इस दिशा में जो भी कदम उठाए जाएं उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर कितना हो रहा है, इस बात का लगातार मूल्यांकन भी जरूरी है। साथ ही रीति-नीतियों को प्रभावी तरीकों से अमलीजामा पहनाने की जरूरत होगी। जिसके लिए लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाइयों ग्राम पंचायत से लेकर शहरी निकायों को भी शामिल करने की जरूरत होगी। दरअसल, जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट केवल भारत की ही चुनौती नहीं है। यह एक वैश्विक संकट है। जो इस बात से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने पूरी दुनिया में आठ लाख से अधिक लोगों को असमय काल का ग्रास बनाया है। लेकिन इस संकट की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसकी सबसे बड़ी कीमत वे विकासशील व गरीब देश चुका रहे हैं, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम भूमिका रही है। दुर्भाग्य से विकासशील देश जहां इन संकटों की दृष्टि से जहां ज्यादा संवेनशील हैं, वहीं इससे मुकाबले के लिए उनके संसाधन सीमित हैं। उनके प्रतिरोध की क्षमता सीमित है। जिन्हें तत्काल व्यापक वित्तीय सहायता की जरूरत है। ऐसे में विकसित देशों का नैतिक दायित्व बनता है कि उनका सहयोग सिर्फ विकासशील देशों को वित्तीय व तकनीकी सहयोग तक सीमित न रहे। साथ ही वे अपने कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाएं।

आज का इतिहास



- 2004 - जॉन नेग्रोपोटे ईराक में अमेरिका के पहले राजदूत बने।

■ 2005 - अमेरिका द्वारा भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी को मान्यता।

■ 2006 - फिलिपीन्स में मौत की सजा समाप्त।

■ 2007 - इराकी हार्ड डिस्कूल ने सद्दाम हुसैन के चचेरे भाई अली हसन अल माजिद उर्फ केमिकल अली सहित तीन लोगों को फांसी की सजा सुनाई।

■ 2008 - नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोशाला ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

■ 1937 - जगन्नाथ मिश्रा - भारतीय राजनेता और बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।

■ 1937 - अनीता देसाई - अंग्रेजी साहित्य की प्रख्यात लेखिका हैं।

■ 1897 - ऑकारनाथ ठाकुर - प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री, संगीतज्ञ एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक
- 1885 - तारा सिंह - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा कट्टर सिक्ख नेता।

■ 1869 - दामोदर हरी चापेकर - भारत के क्रांतिकारी अमर शहीदों में से एक थे।

■ 1863 - विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड़े - प्रसिद्ध भारतीय लेखक, इतिहासकार, श्रेष्ठ वक्ता और विद्वान थे।

■ 2001 - अवधानम सीता रमन - भारतीय लेखक और पत्रकार थे।

■ 1950 - दरबान सिंह नेगी - प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन चंद भारतीय सैनिकों में से एक थे, जिन्हें ब्रिटिश राज का सबसे बड़ा युद्ध पुरस्कार "विक्टोरिया क्रॉस" मिला था।

■ 1881 - पंडित श्रद्धाराम शर्मा - 'ओम जय जगदीश हरे' आरती के रचयिता तथा हिन्दी, पंजाबी के प्रसिद्ध साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी।

■ 1564 - रानी दुर्गावती - भारतीय इतिहास की प्रसिद्ध वीरांगना रानियों में से एक।

आपदा में अवसर

अर्थव्यवस्था का वर्तमान परिदृश्य

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां चुनौतियां भी हैं और अवसर भी। एक ओर खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर थोक महंगाई में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हाल के भू-राजनीतिक तनावों में कमी के बाद रुपया फिर मजबूती की ओर बढ़ा है, देश का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत है और भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह तस्वीर आश्चस्त करने वाली है, पर इसके भीतर कुछ ऐसे



संकेत भी छिपे हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे महत्वपूर्ण संकेत थोक और खुदरा महंगाई के बीच बढ़ता अंतर है। हाल में थोक महंगाई तेजी से बढ़ी है, जबकि खुदरा महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है। यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहती। उत्पादन लागत में होने वाली वृद्धि का बोझ अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचता ही है। इसलिए आज जो दबाव उद्योगों और उत्पादकों पर दिखाई दे रहा है, उसका असर आने वाले समय में आम उपभोक्ता की जेब पर भी पड़ सकता है।

थोक महंगाई का असर

■ थोक महंगाई मुख्यतः उन लागतों को दर्शाती है, जिनका सामना उत्पादकों को करना पड़ता है। जब ऊर्जा, परिवहन, आयातित कच्चे माल और विनिर्माण की लागत बढ़ती है, तब कंपनियां शुरुआत में अपने मुनाफे में कटौती करके कुछ बोझ स्वयं वहन करती हैं, पर यदि लागत का दबाव बना रहता है तो अंततः कीमतों में वृद्धि करनी पड़ती है। थोक महंगाई में हाल की तेजी को केवल एक अस्थायी घटना मानना उचित नहीं होगा। इस बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण ऊर्जा लागत है। वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता का सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ईंधन और बिजली की ऊंची कीमतों ने उत्पादन लागत को बढ़ाया है। सकारात्मक पक्ष यह है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने से वैश्विक तेल कीमतों में नरमी आई है। भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए यह राहत के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर भी है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता और निर्यात

■ दूसरा, यह ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का उपयुक्त समय है। पिछले एक दशक में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रत्येक नई प्रगति भारत की आयातित ऊर्जा पर निर्भरता को कम करेगी। यह पर्यावरण संरक्षण संग आर्थिक सुरक्षा का भी प्रश्न है। तीसरा, कम ऊर्जा लागत भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए भी अवसर लेकर आई है। दुलाई खर्च घटने से भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। लक्ष्य निर्यात बढ़ाने के साथ वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी को स्थायी रूप से मजबूत करना होना चाहिए।

तेल कीमतों से मिलने वाला अवसर

■ अवसर कम तेल कीमतों को अतिरिक्त खर्च करने का अवसर समझ लिया जाता है, पर यह दृष्टिकोण दूरदर्शी नहीं होगा। बाजारों के उतार-चढ़ाव स्थायी नहीं होते। समझदारी इसी में है कि अनुकूल परिस्थितियों का उपयोग आर्थिक बुनियाद को मजबूत करने में किया जाए। सबसे पहले घटी तेल कीमतों से होने वाले लाभ का उपयोग बाहरी क्षेत्र की मजबूती के लिए किया जाना चाहिए। जब तेल आयात बिल घटता है तो चालू खाते का संतुलन बेहतर होता है। इस अवसर का उपयोग विदेशी मुद्रा भंडार को और मजबूत करने में किया जा सकता है। मजबूत भंडार केवल आर्थिक शक्ति का प्रतीक नहीं होते, बल्कि भविष्य के वैश्विक झटकों के खिलाफ सुरक्षा कवच भी प्रदान करते हैं।

आंखनदेखी

ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर के केंद्रीय व्यावसायिक क्षेत्र की आधुनिक इमारतों के सामने शांत जलराशि में तेरते हंस मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रहे हैं। शहरी विकास और प्राकृतिक सौंदर्य का यह अद्भुत संगम शहर की पहचान को और भी आकर्षक बनाता है, जहां प्रकृति और आधुनिकता साथ-साथ दिखाई देती हैं।



बच्चों के सौदागरों पर पुलिस का शिकंजा

● 300 किमी पीछा, बच्चा बरामद, चाइल्ड ट्रैफिकिंग गैंग का किया पर्दाफाश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नई दिल्ली रेलवे पुलिस ने एक बड़े चाइल्ड ट्रैफिकिंग गैंग का भंडाफोड़ करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में गैंग की सरगना प्रीति भी पुलिस के हथ्थे चढ़ गई। पुलिस ने करीब 300 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा किया, 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और आखिरकार अगवा किए गए मासूम बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस सफल अभियान को रेलवे पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

मां की शिकायत से शुरू हुई जांच

पुलिस के अनुसार 24 मार्च को सूचना मिली थी कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से एक मासूम बच्चे का अपहरण कर लिया गया है। बच्चे की मां रेलवे स्टेशन परिसर में काम करती है। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। चूंकि मामला एक छोटे बच्चे के अपहरण का था, इसलिए पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उसकी सुरक्षित बरामदगी थी।

सीसीटीवी फुटेज बनी सबसे बड़ा सुराग
जांच के शुरुआती चरण में पुलिस ने रेलवे स्टेशन और उसके आसपास लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। घंटों की मेहनत के बाद फुटेज में एक सदिग्ध महिला बच्चे को अपने साथ ले जाती दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने महिला की पहचान करने और उसकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच तेज कर दी।

ट्रांसपोर्ट बदलकर देते रहे चकमा
आरोपी बेहद शातिर तरीके से पुलिस को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे। वे कभी ई-रिक्शा, कभी बस तो कभी ट्रकों का सहारा लेकर जगह-जगह अपना ठिकाना बदलते रहे। लगातार वाहन बदलने की वजह से पुलिस को उनकी गतिविधियों पर नजर रखने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद जांच टीम ने हार नहीं मानी और हर सुराग को जोड़ते हुए आगे बढ़ती रही।

सरगना समेत आठ गिरफ्तार
आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने गैंग की सरगना प्रीति सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में वे लोग भी शामिल हैं, जिन्होंने बच्चे को खरीदने की कोशिश की थी। पुलिस ने गिरफ्त के कई अन्य संशोक्त और गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई है, जिसकी जांच जारी है।

एक-दूसरे को सौंपते रहे बच्चा
जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि यह कोई अकेली महिला नहीं, बल्कि एक संगठित चाइल्ड ट्रैफिकिंग गिरोह का हिस्सा थी। गैंग के सदस्य लगातार बच्चे को एक-दूसरे के हवाले कर रहे थे ताकि पुलिस उनकी लोकेशन तक न पहुंच सके। इस रणनीति के कारण जांच और अधिक जटिल हो गई, लेकिन पुलिस टीम लगातार उनके पीछे लगी रही।

हरिद्वार पुलिस का मिला सहयोग
हरिद्वार पहुंचने पर रेलवे पुलिस को पता चला कि स्थानीय पुलिस भी इसी गैंग की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसके बाद दोनों राज्यों की पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। साझा कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। यही गिरफ्तारी पूरे मामले में निर्णायक साबित हुई।

सुरक्षित मिला मासूम
सबसे राहत की बात यह रही कि अपहरण के बाद बच्चा सुरक्षित हालत में बरामद कर लिया गया। बच्चे को उसके परिजनो के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बच्चे को कहीं दूर ले जाया जा सकता था। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रेरक प्रसंग

लाल कमीज, बिल्ला नम्बर 243
रेलवे स्टेशन का प्लेटफॉर्म हमेशा की तरह शोर, भीड़ और भागदौड़ से भरा था। कोई ट्रेन का इंतजार कर रहा था, कोई सामान सभाल रहा था, तो कोई मोबाइल में खोया था। चायवालों की आवाजें, कुलियों की पुकार और उद्घोषिका की सूचनाएं वातावरण में लगातार गूंज रही थीं। इसी भीड़ के बीच लाल कमीज पहने, बिल्ला नम्बर 243 वाला कुली कल्लू एक कोने में चुपचाप बैठा था। उसकी उदासी देखकर सब्जी-पूड़ी बेचने वाला रामदीन भी हैरान था। आमतौर पर हंसमुख रहने वाला कल्लू आज न जाने किन विचारों में डूबा था। रामदीन के बार-बार पूछने पर भी कल्लू कुछ नहीं बोला, लेकिन उसके मन में अतीत की परतें खुलने लगीं। उसे अपने बेटे का आग्रह याद आ रहा था, जो उसे शहर ले जाकर अपने साथ रखना चाहता था। बेटा बड़ा अधिकारी बन चुका था। उसका कहना था कि बूढ़े पिता अब अकेले न रहे। मगर कल्लू के मन में संकोच और डर था, उसे बहू के व्यवहार की कुछ पुरानी घटनाएं याद थीं, जिन्होंने उसके दिल पर गहरा घाव छोड़े थे। इन्हीं विचारों के बीच उसे अपने पोते चिटू का जन्मदिन याद आ गया। चिटू की ज़िद पर वह शहर गया था। पोते के लिए खिलौना, मिठाई और बहू-बेटे के लिए उपहार लेकर वह बड़े उत्साह से पहुंचा था। चिटू उससे बेहद प्यार करता था। उसके साथ खेलना, घूमना और बातें करना कल्लू के जीवन की सबसे बड़ी खुशियां में शामिल था। जन्मदिन के अवसर पर बेटे ने उसके लिए महंगा सूट और चमकदार जूते खरीदे थे। कल्लू को यह सब अजीब लगा। उसकी पहचान तो लाल कमीज और बिल्ला नम्बर 243 थी। लेकिन पोते की ज़िद के आगे वह हार गया। जब उसने आईने में खुद को देखा तो उसे विश्वास ही नहीं हुआ कि यह वही स्टेशन पर बोझ उठाने वाला कल्लू है।

■ जन्मदिन की पार्टी शानदार थी। बड़े-बड़े अधिकारी, मेहमान और रोशनी से जगमगाता हाल। लेकिन सबसे अधिक चर्चा कल्लू के नृत्य की हुई। जब वह डांस फ्लोर पर उतरा तो उसकी ऊर्जा और अंदाज देखकर युवा भी दंग रह गए। उस रात उसने अपने पोते के साथ खूब खुशियां बांटी। लेकिन कुछ ही दिनों बाद महानगर का अकेलापन उसे काटने लगा।

■ बेटा नौकरी पर, पोता स्कूल में और बहू अपने कामों में व्यस्त रहती। दिन भर कमरे में बैठा कल्लू घुटन महसूस करने लगा। ऊपर से बहू का बदलता व्यवहार उसके मन की ओर तोड़ गया। लौटते समय जब बहू ने सोने की चेन और सूट वापस मांगा, तो कल्लू का दिल भीतर तक आहत हो गया। उसने बिना कुछ कहे सब लौटा दिया। आज स्टेशन पर बैठा वही सब याद कर रहा था।

■ तभी ट्रेन के इंजन की आवाज ने उसे वर्तमान में लौटा दिया। वह उठा, मुंह धोया और रामदीन की टैली पर आकर बोला, ‘अरे रामदीन भइया, एक कड़क मीठी चाय बना दो। चाय की चुस्कियों के साथ उसने मन ही मन फैसला कर लिया। वह अपने बेटे से साफ कह देना कि उसे और साथ ले जाने की ज़िद छोड़ दे। उसका संसार यही स्टेशन, यही साथी, यही लाल कमीज और यही बिल्ला नम्बर 243 है। सम्मान और अपनापन वही मिलता है, जहां आदमी अपनी पहचान के साथ जी सके। और कल्लू ने तय कर लिया था कि वह अपनी आखिरी सांस तक अपनी इसी पहचान के साथ रहेगा।

राशिफल

मेघ- आज नया रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐंठिच्छ स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ-फालतु खर्च होगा। कीमती वस्तुएं सभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग है। उदर संबंधी विकार हो सकते हैं।

मिथुन- विवाद से व्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यसनधीनता से बचें।

कर्क-घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे। जोखिम, लोभ, लालच से बचें। नया काम, व्यवसाय आदि की बात बनेगी।

सिंह- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या- चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें। परिवार की समस्या का उचित समाधान होगा।

तुला-शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगाया। स्वयं का सोच अनकूल रहेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मर्यादा बनाए रखें।

वृश्चिक- चोट व रोग से बाधा संभव है। बेवेनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनवाही सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय समय पर लेना होंगे। पुरानी बीमारी उभर सकती है।

धनु- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेमद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आरोग्य। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। साहस, प्राक्रम बढ़ेगा। विश्वासप्रद माहौल रहेगा।

मकर- पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जगप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है।

कुंभ- प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। विवाद सुलझेंगे।

मीन-पुराने सगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पुरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियां निर्मित होंगी। विरोधी आत्मी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

●■■■■●

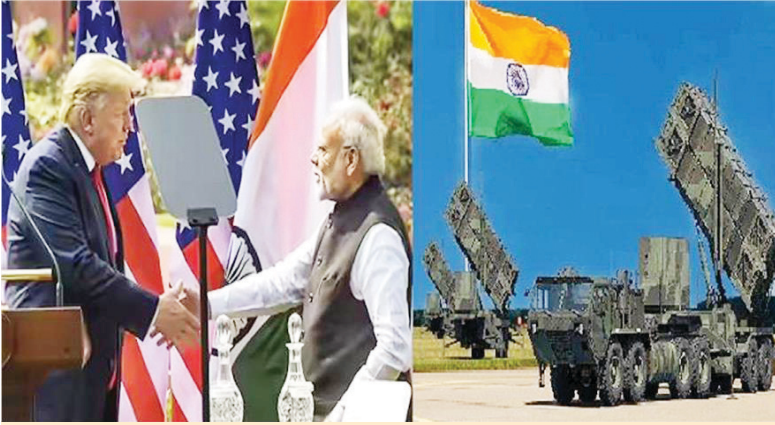
●■■■■●

भारत की सैन्य ताकत होगी और घातक

अमेरिका ने 4555 करोड़ की रक्षा डील को दी मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को और मजबूत करते हुए अमेरिका ने भारतीय सेना के AH-64E अपाचे अटेक हेलीकॉप्टरों और M777A2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों के लिए 482.2 मिलियन डॉलर (लगभग 4,555 करोड़) के सपोर्ट पैकेज की मंजूरी दे दी है। इस पैकेज में रखरखाव, तकनीकी सहायता, स्पेयर पार्ट्स और अन्य लॉजिस्टिक सेवाएं शामिल हैं। अमेरिका की Defense Security Cooperation Agency (DSCA) ने 17 जून को इस प्रस्तावित सौदे की आधिकारिक सूचना जारी की। यह एजेंसी अमेरिका और सरकार के फॉरेन मिलिट्री सेल्स (FMS) कार्यक्रम का संचालन करती है।



■ इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने भी अमेरिकी कांग्रेस को इस संभावित रक्षा सौदे के बारे में जानकारी दी थी। भारत में अमेरिका के राजदूत Sergio Gor ने कहा कि दोनों देश प्रतिदिन रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि

M777A2 हॉवित्जर तोपों के लिए लगभग 230 मिलियन डॉलर का सपोर्ट पैकेज भी अंतिम चरण में है। राजदूत ने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के अनुरूप है और साथ ही भारत की रक्षा क्षमताओं को बनाए रखने और मजबूत करने में मदद करेगा।

■ भारत ने M777A2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों को अमेरिका से खरीदा था। इन हल्की लेकिन अत्यधिक प्रभावी तोपों को विशेष रूप से पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में तैजी से तैनात करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। लड़ाख और उत्तरी सीमाओं पर इनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। वहीं, भारतीय वायुसेना और थलसेना के पास मौजूद AH-64E Apache हेलीकॉप्टर दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में गिने जाते हैं। ये सटीक हमले, टैंक रोधी अभियानों और युद्धक्षेत्र में सैनिकों को समर्थन देने में सक्षम हैं।

■ अमेरिकी रक्षा विभाग का कहना है कि यह पैकेज भारत को मौजूदा और भविष्य के सुरक्षा खतरों का सामना करने में मदद करेगा। इससे भारतीय सेना के महत्वपूर्ण हथियार प्लेटफॉर्म अधिक समय तक प्रभावी और संचालन योग्य बने रहेंगे। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यह सौदा केवल उपकरणों के रखरखाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते रणनीतिक सहयोग और भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों की गहराई को भी दर्शाता है। विश्लेषकों के अनुसार, भारत की सीमाओं पर बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक समीकरणों के बीच यह सौदा भारतीय सेना की परिचालन क्षमता को मजबूत करेगा। साथ ही यह दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच रक्षा सहयोग के लगातार विस्तार का संकेत भी है।



होर्मुज से भारत के लिए आई गुड न्यूज

जलडमरूमध्य से निकले 11 भारतीय जहाज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए US और ईरान के बीच शांति समझौते (MoU) को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, भारत आने वाले 11 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। मीडिया ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि आज की स्थिति के अनुसार, भारतीय झंडे वाले 10 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी क्षेत्र में हैं। इसके अलावा, हाल ही में दो और जहाज वहां पहुंचे हैं।

11 भारतीय जहाज होर्मुज से निकले

रणधीर जायसवाल ने बताया कि 17 जून को अमेरिका-ईरान के बीच MoU पर हस्ताक्षर होने के बाद से, भारत आने वाले 11 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरें हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे बताया कि इन जहाजों में भारतीय झंडे वाले तीन कच्चे तेल के टैंकर (हर एक में 2,85,000 MT से ज्यादा कच्चा तेल), विदेशी झंडे वाला एक LPG कैरियर, विदेशी झंडे वाला कच्चे तेल का एक टैंकर और विदेशी झंडे वाले छह बल्क कैरियर (जिनमें खाद का कार्गो लदा है) शामिल हैं। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि भारतीय झंडे वाले बाकी जहाज भी जल्द ही होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर सकेंगे।

60 दिन के सीजफायर के बाद खुला होर्मुज

अमेरिका-ईरान के बीच 60 दिनों के सीजफायर का समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच होर्मुज को पहले की तरह खोलने पर सहमति बनी है। एक तरफ जहां

अमेरिका ने होर्मुज से नाकाबंदी हटाने का फैसला लिया, वहीं ईरान भी होर्मुज खोलने के लिए मान गया। अमेरिका-ईरान के युद्ध के केंद्र में होर्मुज जलडमरूमध्य आ गया। ये वहीं जलमार्ग

है, जहां से दुनियाभर में स्पलाई होने वाले तेल का 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौता होने के बाद से होर्मुज को दोबारा खोल दिया गया है।

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल

4 महासचिवों की छुट्टी, कई राज्यों में बदलेंगे प्रभारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए कांग्रेस पार्टी संगठन में बड़े पैमाने पर फेरबदल की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में बड़ा बदलाव होने वाला है जिसमें चार महासचिवों को हटया जा सकता है। करीब छह से सात राज्यों के प्रदेश प्रभारी बदले जाएंगे और तीन से चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी नए चेहरे देखने को मिल सकते हैं। फिलहाल पार्टी में बासठ राष्ट्रीय सचिव हैं जिनमें से छब्बीस की छुट्टी हो सकती है।

इन राज्यों के प्रभारी हटेंगे

पार्टी सूत्रों के मुताबिक हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद, महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चैनिथला, छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडकर और राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को हटया जा सकता है। बीके हरिप्रसाद कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बन चुके हैं जबकि रमेश चैनिथला केरल में मंत्री बने हैं। तमिलनाडु के प्रभारी गिरीश चोडकर को हाल ही में गोवा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। केरल के प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ भी मंत्री बनने के बाद संगठन से अलग हो सकते हैं।

इन राज्यों में बदल सकते हैं अध्यक्ष

दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बदलने की संभावना है। पंजाब और उत्तर प्रदेश में अगले साल सतईस में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं इसलिए यह बदलाव खासा अहम माना जा रहा है। पार्टी के भीतर बढ़ती गुटबाजी को रोकने और चुनावी मैदान में मजबूती से उतरने के लिए नए चेहरों को जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी है। कांग्रेस आलाकमान की इस नई रणनीति पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है और सभी की नजरें औपचारिक घोषणा पर टिकी हैं।

युवा IAS अधिकारियों को पीएम मोदी ने दिया मूलमंत्र

हर फाइल के पीछे है अनगिनत नागरिकों की उम्मीदें व जिंदगी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के युवा अधिकारियों से कहा कि हर फाइल अनगिनत नागरिकों की उम्मीदों, चिंताओं और जिंदगी को परिलक्षित करती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने युवा अधिकारियों से कहा कि वे हर फैसले में लोगों को केंद्र में रखें और यह सुनिश्चित करें कि शासन संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी हो। प्रधानमंत्री 2024 बैच के 183 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इन अधिकारियों को यहां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिवों के तौर पर तैनात किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास को बड़ी चुनौतियों का अलग-अलग हल नहीं किया जा सकता और सार्थक एवं स्थायी परिणाम के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। उन्होंने युवा प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि वे मजबूत मकसद, नवाचार और नागरिक-केंद्रित शासन के साथ खुद को राष्ट्र-निर्माण के लिए समर्पित करें।

■ 'विकसित भारत 2047' के विज़न पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में हर नीति और प्रशासनिक फैसले का योगदान विकसित भारत बनाने में होना चाहिए। सरकार के सभी विभागों के मिलकर काम करने के तरीके का आह्वान करते हुए उन्होंने जोर दिया कि आज देश की प्राथमिकताओं में 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया', विनिर्माण में बढ़ोतरी, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसर पैदा करना शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले 10 साल में शासन में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रशासन प्रक्रिया-केंद्रित मॉडल से हटकर परिणामोन्मुख दृष्टिकोण की ओर बढ़ा है। उन्होंने 'सेवा आपूर्ति' को बेहतर बनाने और नागरिकों को सेवा पाने में आसानी एवं पारदर्शिता के लिए डिजिटल गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नियमित रूप से यह गौर करें कि क्या नीतियां ज़मीनी स्तर पर असरदार ढंग से नीतियों में आइए।



■ प्रधानमंत्री ने उनसे आग्रह किया कि वे हमेशा हर प्रशासनिक फाइल के पीछे मानवीय प्रभाव को ध्यान में रखें। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मोदी ने कहा कि हर फाइल अनगिनत नागरिकों की आकांक्षाओं, चिंताओं और जिंदगी को परिलक्षित करती है। बयान में कहा गया है कि 'नागरिक देवो भव' के मंत्र पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने युवा अधिकारियों से कहा कि वे हर फैसले में नागरिकों को केंद्र में रखें और यह सुनिश्चित करें कि शासन संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बना रहे। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे राष्ट्र-निर्माण में अपने योगदान का लगातार मूल्यांकन करें और पद से नहीं, बल्कि हासिल किए गए नतीजों से संतुष्टि प्राप्त करें। मोदी ने कहा कि क्षेत्र में काम करने और प्रशासनिक सीख लेने के दो साल बाद, अधिकारी अब एक अहम मोड़ पर हैं, जहां उनके फैसले न सिर्फ उनके अपने करियर को, बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी आकार देंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जनसेवा की असली परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ मौजूदा स्थितियों को संभालने से शुरू होती है।

■ प्रधानमंत्री ने राष्ट्र-निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया और बताया कि मौजूदा बैच में 40 प्रतिशत से ज्यादा महिला अधिकारी हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी ऊर्जा, हुनर और लगन भारत की विकास यात्रा को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर युवा प्रशिक्षु अधिकारियों ने काम करने के दौरान मिले अनुभवों को भी साझा किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी. के. मिश्र और शक्तिदास दास, कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के निदेशक श्रीराम तारनिकांती समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की धमकी, भारत ने दिया करारा जवाब

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की ओर से सिंधु जल संधि को लेकर युद्ध की धमकी देने वाले बयान पर भारत ने करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इन टिप्पणियों को पाकिस्तान की नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों को उल्लंघन से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत इन मनगढ़ंत दावों को पूरी सख्ती के साथ खारिज करता है और दुनिया का ध्यान पाकिस्तान के कच्चे वाले कश्मीर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों तथा वहां की सरकार की गलत नीतियों की ओर खींचा।



पाकिस्तान की बर्बरता का पोस्टमार्टम

रणधीर जायसवाल ने साफ किया कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले इलाकों में हो रहे विरोध प्रदर्शन दशकों से वहां की सरकार की पुरानी नीतियों का नतीजा हैं, जिनमें आर्थिक शोषण, मौलिक अधिकारों का हनन और प्रशासन द्वारा आम नागरिकों का दमन शामिल है। पाकिस्तानी सरकार ने इन विरोधों के जवाब में पुलिस की बर्बरता, जरूरी सामान और दवाओं की सप्लाई रोकना, इंटरनेट बंद करना और निरक्षर नागरिकों के खिलाफ जानलेवा हमलों का सहारा लिया।

संधि पर पेंच और पहलगाम का कनेक्शन

गौरतलब है कि भारत ने पिछले महीने ही सन उनसठ की संधि के तहत कथित रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थाता अदालत के फैसले को खारिज करते हुए उसे अवैध बताया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि इस अवैध अदालत ने पंद्रह मई को संधि की व्याख्या और अधिकतम जल भंडारण क्षमता से जुड़े मामले में जो फैसला सुनाया, उसे भारत पूरी तरह अस्वीकार करता है। भारत और पाकिस्तान के बीच उनसठ सितंबर को हुई इस संधि को पिछले वर्ष पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने संप्रभु अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्थगित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद को समर्थन देना विध्वंसनीय और स्थायी रूप से बंद नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

पानी के नाम पर युद्ध की बाँटें

भारत ने सिंधु जल संधि को लेकर अपना रुख दोहराते हुए पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि जब तक यह संधि स्थगित रहेगी। इस पर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बातचीत में कहा कि अगर पाकिस्तान को महसूस हुआ कि उसकी जल सुरक्षा खतरों में है तो वह भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि पानी पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा है और अगर भारत सिंधु नदी की धारा रोकेंगा तो इसे गंभीर खतरों के रूप में देखा जाएगा।

दिल्ली भर के नालों से 34 लाख मीट्रिक टन गाद निकाली गई : रेखा गुप्ता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में नालों से 34 लाख मीट्रिक टन गाद निकाली है। मानसून से पहले मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को अलर्ट पर रहने के लिए कहा है और जनता से अनुरोध किया है कि अगर उन्हें आस-पास कोई नाला साफ न दिखे, तो वे 'एमसीडी 311' ऐप पर इसकी सूचना दें। राष्ट्रीय राजधानी में सभी नालों से गाद निकाली जा रही है। अगर आपके आसपास कोई नाला झूट गया है, तो लोग 'एमसीडी 311' ऐप पर इसकी सूचना दे सकते हैं, जिसपर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और उस नाले को साफ कर दिया जाएगा। मिंटो ब्रिज अंडरपास का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले साल भी सरकार के प्रयासों के बाद मध्य दिल्ली में इस स्थान पर जलभराव नहीं हुआ था। हम इस साल भी मिंटो ब्रिज अंडरपास पर जलभराव नहीं होने देंगे।

मंत्री जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा

राज्यसभा टिकट न मिलने के बाद ली विदाई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कुरियन शायद मोदी सरकार में इकलौते ईसाई चेहरा थे। उनका छह साल का राज्यसभा कार्यकाल इक्कीस जून को पूरा हो गया था और पार्टी ने उन्हें दोबारा नामांकित नहीं किया। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर संविधान के अनुच्छेद पचहत्तर के तहत उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया।

केरल के कोट्टायम से है कनेक्शन

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार कुरियन का जन्म बीस सितंबर उनसठ को केरल के कोट्टायम जिले की एट्टुमानूर नगरपालिका के नांबियकुलम गांव में हुआ था। उन्होंने अपने गृहनाम से स्कूली शिक्षा पूरी की और बाद में कानून में स्नातक तथा परास्नातक किया। इससे पहले कुरियन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष और तत्कालीन केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और राजगोपाल के विशेष कार्याधिकारी के तौर पर चुने गए थे। केंद्र सरकार में ईसाई समुदाय के प्रतिनिधित्व की कमी अब सवाल खड़े कर रही है।

मोहन यादव के बचाव में खड़े हो गए अखिलेश यादव

3 सीएम को हटाने के लिए साजिश



हिंदमाता नेटवर्क @ भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को लेकर खड़े हुए जमीन विवाद के बीच उनका बचाव विपक्षी खेमे से किया गया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोहन यादव के समर्थन में बयान देते हुए कहा कि उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। अखिलेश ने एक तरफ जहां मोहन यादव का बचाव किया तो उनकी भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि तीन मुख्यमंत्रियों को हटाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने जमीन को लेकर लगे आरोपों पर कहा कि वह पहले रियल स्टेट का काम करते थे। मंगलवार को दावा किया कि मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद उज्जैन में उनके परिजनों ने कई प्लॉट खरीदे जिनके आसपास बाद में विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। अखबार की रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी मोहन यादव पर पद के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इस बीच, मोहन यादव का बचाव एक ऐसे खेमे आया जिसकी उम्मीद संभवतः खुद मुख्यमंत्री को नहीं होगी। अखिलेश यादव ने लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में मोहन यादव का खुलकर बचाव किया। वह सिर्फ भाजपा पर तंज कसते रहे।

‘पहले रियल स्टेट का काम करते थे मोहन यादव’ : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि मोहन यादव को बदनाम करने के लिए भाजपा ने साजिश की है। अगर मोहन यादव पर ये आरोप हैं तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तो 300-600 एकड़ जमीन ली है। ये कोई नई बात नहीं है। वे पहले रियल स्टेट का काम करते थे। क्या भाजपा ये नहीं जानती? ये आरोप इसलिए लगा रहा है कि भाजपा रास्ता ढ़ढ़ रही है कि उ मुख्यमंत्री कैसे बदलें। वे मुख्यमंत्री बदलना चाहते हैं इसलिए आरोप लगावा रहे हैं।

योगी के पहले राजस्थान-एमपी में सीएम हटाने की साजिश : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को मध्य-प्रदेश, राजस्थान के मुख्यमंत्री को हटाना है। उन्होंने अपने भीम रात्र को रुख यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की ओर मॉड़ते हुए कहा कि इन दो को इसलिए हटा रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को हटाना है। ये हटाने की साजिश चल रही है... उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि इस बार साइकिल बतनी तेज चलेगी कि अपने आप मुख्यमंत्री हट जाएंगे।

बीते 2 साल में 137 भूखंड खरीदने का दावा : जीतू पटवारी

एमपी कांग्रेस चीफ जीतू पटवारी ने एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के हवाले से दावा किया है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों ने बड़ी मात्रा में भूमि खरीदी है। अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया कि दिसंबर 2023 से पिछले दो वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री यादव के परिवार और उनकी रियल एस्टेट कंपनियों ने उज्जैन में कम से कम 137 भूखंड खरीदे, जिनका कुल क्षेत्रफल 168 एकड़ है।

लखनऊ अग्निकांड के बाद फिजिक्स वाला समेत 22 कोचिंग संस्थान सील

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
लखनऊ के कोचिंग सेंटर में कल हुए भीषण अग्निकांड के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण ने सोमवार शाम से लेकर मंगलवार को काकादेव कोचिंग हब में बड़ी कार्रवाई की। KDA टीम ने मानकों का उल्लंघन करने वाले 22 कोचिंग संस्थानों को फोरन ही सील कर दिया ।

किन संस्थानों पर हुई कार्रवाई?
सील किए गए प्रमुख संस्थानों में फिजिक्स वाला, वर्कस्पेस, महेंद्रा तथा केमिस्ट्री वाले सजीव राठीर शामिल हैं। केडीए के अधिकारियों ने बताया कि इस पहले चरण में काकादेव, शताब्दीनगर और जवाहरपुरम सहित विभिन्न जोनों में कार्रवाई की गई, जिसमें 30 से 35 स्थानों को सील किया गया ।

व्यों हुई कार्रवाई?
केडीए सचिव अभय कुमार पांडे ने बताया कि यह अभियान लखनऊ अग्निकांड के बाद लगातार चलाया जा रहा है, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन न करने, भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन और आवश्यक अनुमोदन न होने जैसी अनियमितताएं पाई गईं । अधिकारियों ने बताया कि बेसमेंट का पार्किंग के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए उपयोग करने वाले संस्थानों को भी सील किया जाएगा ।

मेरे से कुछ नहीं हो सकता भैया जी, पेपर खराब हो गया

नोट लिख फंदे से लटकी नीट परीक्षा देकर लौटी छात्रा
महाराजगंज के सदर कोतवाली क्षेत्र के चौपरिया टोला कंचनपुर में सोमवार को नीट परीक्षा देकर लौटी एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरे से मिले नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र पर लिखा है, मेरे से कुछ नहीं हो सकता मेरे भैया जी...। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, चंचल भारती सोमवार को गोरखपुर में आयोजित नीट परीक्षा देकर घर लौटी थी। परिवार के लोगों ने बताया कि सोमवार को दोपहर करीब एक बजे खाना खाने के बाद चंचल परीक्षा के प्रश्न पत्र में अपने उत्तरों का मिलान कर रही थी। इसी दौरान उसने परिजनों से कहा कि उसका पेपर खराब हो गया है। परिवार के सदस्यों ने उसे समझाते हुए कहा कि अभी परिणाम आना बाकी है, इसलिए निराश होने की कोई जरूरत नहीं है। इसके बाद घर के अन्य सदस्य खेत में काम करने चले गए। कुछ समय बाद परिवार का एक सदस्य घर के अंदर बोरा लेने पहुंचा तो कमरे का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। चंचल कमरे में पंखे से लटकती हुई मिली। परिजन तत्काल उस नीचे उतारकर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद घर में मातम पसरा हुआ है।

माता-पिता की सबसे छोटी संतान थी चंचल
चंचल के पिता अमरजीत भारती खेती-बाड़ी और मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उसकी माता का नाम गीता देवी है। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। सबसे बड़ी बहन रिकला भारती की शादी हो चुकी है। बड़ा भाई अभिनव देवरिया में डॉक्टर है जबकि दूसरा भाई रवि प्रताप एक निजी पैथोलॉजी में कार्यरत है। चंचल माता-पिता की सबसे छोटी संतान थी।

गैंगस्टर के आरोपी ने खुद को गोली से उड़ाया, बगीचे में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़
आजमगढ़ जिले के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के केशवपुर गांव निवासी गैंगस्टर के आरोपी नागेंद्र यादव (27) ने मंगलवार सुबह बगीचे में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर जीयनपुर और मुबारकपुर थाने की पुलिस के साथ क्षेत्राधिकारी सगड़ी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



वया है पूरा मामला
जीयनपुर कोतवाल विनय कुमार सिंह ने बताया कि केशवपुर गांव निवासी नागेंद्र यादव (27) मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे गांव से लगभग 200 मीटर दक्षिण दिशा में मुबारकपुर थाना क्षेत्र के जमुआ गांव स्थित एक बगीचे में पहुंचा। वहां उसने पिस्टल से अपनी कनपटी पर गोली मार ली। गोली लगते ही उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जीयनपुर कोतवाल विनय कुमार सिंह, सीओ सगड़ी अनिल कुमार वर्मा और मुबारकपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

मौत का कॉम्प्लेक्स! एक रास्ता, ऊपर एसी-एग्जॉस्ट और इलेक्ट्रिक पैनल

सुरक्षा नियमों की अनदेखी ने ली 15 जानें

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
लखनऊ के अलीगंज इलाके के जिस कॉम्प्लेक्स में आग लगी, वहां नियम कायदे और सुरक्षा के मानकों की ध्वजियां उड़ा दी गई थीं। तीन मंजिला इस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट भी बनाया गया था। एंटी एग्जिट के लिए सिर्फ एक छोटा सा रास्ता था और इस रास्ते के ऊपर 7 पैनल, 2 एग्जॉस्ट फैन, इलेक्ट्रिक कंट्रोल पैनल, लगाकर रास्ते को और छोटा कर दिया गया था।

बिना इमरजेंसी गेट के तैयार हुआ था कॉम्प्लेक्स
बिना किसी इमरजेंसी गेट के तैयार हुए इस रिहायशी इलाके के कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में आग लगी तो दूसरी मंजिल पर फंसे 15 लोगों की जान चली गई। अब इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। 4 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आईएएस अमृत अभिनात और आईपीएस प्रवीण कुमार की एसआईटी गठित है।

आखिर 15 मौतों का जिम्मेदार कौन?
एलडीए (लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी), बिजली विभाग और फायर के कुल चार अधिकारियों को सस्पेंड किया जा चुका है। साथ ही मामले में अन्य कार्रवाई भी जारी है। लेकिन रजिंडेशियल नक्शा पास करवा कर बनाए गए इस कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में लगी आग में 15 लोगों की जान चली गई, उसके लिए जिम्मेदार कौन है? घटना के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण, जिला प्रशासन, नगर निगम, फायर डिपार्टमेंट पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इधर लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को राज्य सरकार ने राहत राशि प्रदान की है। सरकार की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता दी गई है।

एलडीए ने जांच की तेज
लखनऊ अग्निकांड मामले में एलडीए ने भी जांच तेज कर दी है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया है। ज्ञानेंद्र वर्मा के नेतृत्व में गठित इस टीम में केके गौतम, मानवेंद्र सिंह, मनोज सागर और रविनंदन सिंह को शामिल किया गया है। टीम घटना के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में एलडीए के एई और जेई को निलंबित कर दिया गया है। प्रशासनिक स्तर पर जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई भी शुरू हो गई है।

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी
वाराणसी में काशी रेलवे स्टेशन के पास स्थित गंज शहीदा मस्जिद को खाली कराने के नोटिस के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। रेलवे द्वारा स्टेशन के आधुनिकीकरण और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब परियोजना के तहत मस्जिद परिसर को खाली करने का नोटिस जारी किए जाने के बाद यह मामला राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने भारत सरकार से हस्तक्षेप की अपील की
इस विवाद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई टिप्पणी के बाद नया राजनीतिक मोड़ आ गया। उन्होंने मस्जिद को लेकर चिंता जताते हुए भारत सरकार से हस्तक्षेप की अपील की थी। हालांकि उनके इस बयान पर भारत में ही तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

सांसद अफजाल अंसारी ने दिया जवाब
गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी ने पाकिस्तान की टिप्पणी को अनावश्यक बताते हुए कहा कि भारत के मुसलमान अपने अधिकारों और धार्मिक स्थलों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। अफजाल अंसारी ने कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और देश की न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा है।

हिंदमाता एंकरः साबरमती और गोमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर अब काशी में भी वरुणा रिवर फ्रंट का निर्माण किया जाएगा

बदलेगी बनारस की सूरत: वरुणा के किनारे बनेंगे वॉकिंग ट्रैक और ग्रीन जोन

हिंदमाता संवाददाता @ वाराणसी
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को जल्द ही एक और विश्वस्तरीय सौगात मिलने जा रही है। साबरमती और गोमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर अब काशी में भी वरुणा रिवर फ्रंट का निर्माण किया जाएगा। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुलकित बोरा और ओएनजीसी के सीएसआर प्रमुख नीरज कुमार बंसल के बीच इस 260.61 करोड़ की बड़ी परियोजना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वीडोए के वीसी पुलकित बोरा ने बताया कि वरुणा नदी काशी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का एक अभिन्न हिस्सा रही है। अब इसके तटों का सुनियोजित और आधुनिक विकास किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत नदी के किनारों पर आधुनिक नगरीय सुविधाएं और खूबसूरत हरित क्षेत्र विकसित होंगे। सार्वजनिक उपयोग के लिए खुले स्थल, सुंदर पैदल पथ और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई नए एडवेंचर और मनोरंजन के साधन तैयार किए जाएंगे। यह पूरा प्रोजेक्ट भारत सरकार के वॉटर बॉडी रिजुवेनेशन मिशन के उद्देश्यों के बिल्कुल अनुकूल है, जिसका मुख्य लक्ष्य जल संसाधनों का संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देना है।

चरणबद्ध तरीके से तैयार होगी डीपीआर
इस परियोजना के तहत विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने से लेकर निर्माण कार्यों के पूरा होने तक की पूरी प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया जाएगा। ओएनजीसी के महाप्रबंधक अटल श्रीवास्तव ने इस मौके पर कहा कि यह साझेदारी काशी के सतत विकास और वाराणसी को एक आधुनिक, स्वच्छ, हरित और वैश्विक पहचान दिलाने में मील का पथर साबित होगी।

फायदे होंगे। बोले- वरुणा पर रिवरफ्रंट बनने से इसके किनारों की मिट्टी को एक मजबूत बांध का रूप मिल जाएगा। इससे तटों का कटाव पूरी तरह रुकेगा और नदी में बहकर जाने वाली मिट्टी और गाद पर तट लगेगी। सिस्टेशन रुकने से वरुणा नदी की गहराई स्वतः बढ़ेगी और उसकी वॉटर होल्डिंग कैपैसिटी (जल भंडारण क्षमता) में भी भारी इजाफा होगा। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर होने वाले प्लांटेशन (वृक्षारोपण) से पर्यावरण सुधरेगा और इसानों द्वारा होने वाला प्रदूषण भी थमेगा।

पर्यावरणविदों ने कहा- वरुणा को पुनर्जीवन देने वाला प्रोजेक्ट
नेशनल गंगा रिवर बेसिन अथॉरिटी के वैज्ञानिक सलाहकार रहे और प्रख्यात पर्यावरणविद प्रोफेसर बीडी निपाटी ने इस प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए इसे वरुणा नदी के लिए सजीवनी बताया है। प्रोफेसर बीडी निपाटी ने बताया कि रिवरफ्रंट बनने से वरुणा नदी को कई बड़े

प्रयागराज से शुरू होकर काशी में गंगा से मिलती है वरुणा
वरुणा नदी का भूगोल बेहद दिलचस्प है। यह नदी प्रयागराज के फूलपुर स्थित मेल्हम से निकलती है। करीब 100 किलोमीटर की लंबी यात्रा तय करने के बाद यह वाराणसी के रमईपुर और जगतपुर क्षेत्र से जिले में प्रवेश करती है। इसके बाद वाराणसी सदर इलाके से करीब 6 किलोमीटर की दूरी तय करती हुई यह सरायमोहना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध आदिकेशव घाट पर जाकर पतित पावनी गंगा नदी में मिल जाती है। इसी 6 किलोमीटर के शहरी दायरे को अब एक खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन में तब्दील किया जा रहा है।

भरत तिवारी एनकाउंटर विवादः अनिरुद्धाचार्य ने उठाए सवाल

कहा- शरण में आए व्यक्ति की हत्या मानवता के खिलाफ

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
बिहार के भोजपुर जिले में भरत तिवारी एनकाउंटर का मामला बिहार सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बिहार पुलिस, नेताओं और सामाजिक संगठनों के निशाने पर है। विपक्ष के साथ- साथ वर्तमान सरकार ने भी पुलिस को कार्रवाई पर सवाल उठाए है। फेसबुक पर लाइव दिखाए गए इस एनकाउंटर की गूंज बिहार की राजनीति से निकलकर देश भर में पहुंच चुकी है। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में अब नेताओं और सामाजिक संगठनों के बाद प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अनिरुद्धाचार्य ने भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर बिहार की पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो व्यक्ति शरण में आ जाए, उसे मारना धर्म और मानवता दोनों के खिलाफ है। कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने अपने प्रवचन के दौरान कहा कि किसी भी राज्य के लिए अपनी ही जनता की हत्या करना पाप के जैसा है।



व्यवस्था की खामियों के कारण हथियार उठाने को हुआ मजबूर
अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा कि यदि किसी युवक ने व्यवस्था की खामियों, गांव और समाज की समस्याओं के कारण हथियार उठाया है तो उसकी बातों को सुनना चाहिए था। उसे समझाने और मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए था, न कि उसका एनकाउंटर कर उसे मार देना चाहिए।

एक को मारेंगे तो दूसरा आएगा
कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा कि केवल एनकाउंटर कर देने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि व्यवस्था की कमियां दूर नहीं की जाएंगी तो एक व्यक्ति को मारोगे तो दूसरा सामने आ जाएगा। महाराज ने कहा कि जो समाज में ताने का प्रयास करने के लिए खतरा है, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जो व्यक्ति समाज और गांव की समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहा है, उसे अलग नजरिए से देखना चाहिए।

गंगा की गोद में फिर मटन-बीयर पार्टी

वीडियो वायरल होने पर 5 गिरफ्तार, नाव भी सीज

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी
वाराणसी में गंगा की पवित्रता और धार्मिक मयार्दाओं को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद सामने आया है। गंगा नदी के बीच नाव पर मटन और बीयर पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही जिस नाव पर पार्टी आयोजित की गई थी, उसे भी सीज कर दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर गंगा में बढ़ते पार्टी कल्चर और नियमों की अनदेखी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



मुस्लिम समुदाय के युवकों ने की नाव पर बिरयानी पार्टी
गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब गंगा की धारा में इस तरह की पार्टी का मामला सामने आया हो। इससे पहले अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के कुछ युवकों द्वारा नाव पर बिरयानी पार्टी का वीडियो वायरल हुआ था, जिस पर धार्मिक भावनाएं अहत होने के आरोप लगे थे। उस मामले में पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके अलावा अस्सी घाट पर शराब पार्टी का वीडियो भी सुर्खियों में रहा था, जिसमें शामिल आरोपियों पर भी कार्रवाई हुई थी।

वाराणसी के दशरथबेध थाना क्षेत्र का मामला
मामला दशरथबेध थाना क्षेत्र का है, जहां गंगा नदी के बीच नाव पर मटन और बीयर पार्टी करते कुछ युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और जांच के बाद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(2) और 299 समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

वाराणसी गंज शहीदा मस्जिद विवाद

पाकिस्तान के बयान पर अफजाल अंसारी का जवाब, कहा- भारत के मुसलमान सक्षम हैं

जवाब, कहा- भारत के मुसलमान सक्षम हैं

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी
वाराणसी में काशी रेलवे स्टेशन के पास स्थित गंज शहीदा मस्जिद को खाली कराने के नोटिस के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। रेलवे द्वारा स्टेशन के आधुनिकीकरण और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब परियोजना के तहत मस्जिद परिसर को खाली करने का नोटिस जारी किए जाने के बाद यह मामला राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने भारत सरकार से हस्तक्षेप की अपील की
इस विवाद में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई टिप्पणी के बाद नया राजनीतिक मोड़ आ गया। उन्होंने मस्जिद को लेकर चिंता जताते हुए भारत सरकार से हस्तक्षेप की अपील की थी। हालांकि उनके इस बयान पर भारत में ही तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

सांसद अफजाल अंसारी ने दिया जवाब
गाजीपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी ने पाकिस्तान की टिप्पणी को अनावश्यक बताते हुए कहा कि भारत के मुसलमान अपने अधिकारों और धार्मिक स्थलों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। अफजाल अंसारी ने कहा कि भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार देता है और देश की न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा है।

शॉर्ट स्टोरी

भरत तिवारी एनकाउंटर का मामला हाई कोर्ट पहुंचा



बिहार में चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले ने अब कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तरों पर नया मोड़ ले लिया है। एक ओर राज्य सरकार ने रिटायर्ड हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं, वहीं दूसरी ओर परिवार ने मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की अधिवक्ता वर्णा कुमारी ने बताया कि भरत तिवारी की मां आशा देवी की सहमति से पटना हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। उन्होंने कहा कि परिवार को न्यायिक जांच समिति पर भरोसा नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि अदालत किसी स्वतंत्र एजेंसी, विशेषकर सीबीआई, से पूरे मामले की समग्र जांच कराने का आदेश देगी। इस मामले पर अधिवक्ता वर्णा कुमारी ने कहा, 'यह सिर्फ एक एनकाउंटर का मामला नहीं है। अगर भरत को न्याय नहीं मिला तो भविष्य में कोई भी युवा अपनी आवाज उठाने से डरेगा। इसलिए यह पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों से जुड़ा मुद्दा है।' उन्होंने बताया कि पहले दायरल की गई कई जनहित याचिकाओं में परिवार की सहमति शामिल नहीं थी, लेकिन वर्तमान रिट याचिका सीधे भरत तिवारी की मां के नाम से दायर की गई है। मामले पर संभावित सुनवाई 3 जुलाई को हो सकती है। परिवार की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए वर्णा कुमारी ने कहा कि भरत की मां, बहन और भाई बेहद सदमे में हैं।

20 लाख कैश, 4 आईफोन और लैपटॉप.. तेजप्रताप के घर चोरी



पटना के सचिवालय थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को दिग लिखित आवेदन में आरोप लगाया है कि उनके सरकारी आवस से करीब 20 लाख रुपए नकद समेत कई कीमती सामान चोरी हो गए हैं। तेज प्रताप यादव के अनुसार यह घटना 22 जून को सामने आई, जब उन्होंने अपने कमरे की अलमारी की जांच की। शिकायत में कहा गया है कि अलमारी से लगभग 20 लाख रुपए नकद, दो लोला सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी, चार नए ड्रोन, दो हाई डिस्क, एक आईफोन, एक मेकबुक, एक लेनोवो लैपटॉप और चार आईफोन 17 प्रो मैक्स मोबाइल फोन गायब मिले। तेज प्रताप यादव का दावा है कि चोरी हुए 20 लाख रुपए पार्टी फंड के थे। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आवेदन में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। तेज प्रताप यादव ने आरोप लगाया है कि उनके निजी सहायक मोतीलाल राय ने चोरी की इस घटना को अंजाम दिया। आवेदन में दावा किया गया है कि चोरी गई नकदी पार्टी फंड की राशि थी। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि घटना की रात करीब 11:30 बजे दो लोगों ने मोती लाल राय को एक बैग के साथ आवस परिसर की बाउंड्री फाउंडर निकलते हुए देखा था। तेज प्रताप यादव ने इन दोनों व्यक्तियों को मामले का प्रत्यक्षदर्शी गवाह बताया है। तेज प्रताप यादव ने पुलिस से मामले में प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित जांच, आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी गए नकद व सामान की बरामदगी की मांग की है। फिलहाल पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर रही है। हालांकि शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि अभी नहीं हो सकी है।

शादी से पहले उठी अर्थी, अग्निकांड में प्रेम कहानी का खौफनाक अंत



लखनऊ के अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई। लेकिन इन 15 लोगों में एक ऐसा जोड़ा भी था जिनकी शादी होने वाली थी। लखनऊ के इन्दरराज के मार्टिनपुरवा में रहने वाला निलेश और उसी के साथ काम करने वाली कोनकती की अनामिका सामंता की शादी होने वाली थी। दोनों एक साथ नौकरी करते थे। दोनों ने एक साथ जिंदगी बिताने के सपने देखे थे लेकिन सोमवार को हुए हादसे में दोनों की एक साथ जान ले ली। निलेश की मां वसुंधरा देवी का रो रो कर बुरा हाल है। बड़ा भाई कहता है कि हम दोनों एक साथ नौकरी के लिए निकले थे शायद मेरा भाई मुझे आखरी बार कोल नहीं कर पाया और मुझे भी तब पता चला जब टीवी और सोशल मीडिया पर खबरें चलने लगीं। निलेश की छोटी बहन रोते हुए कहती है की भाई ने मम्मी पापा का यह स्वरुन बताया था वह आर्टिस्ट था, दिनभर काम करता, रात में निम करता था। सपना था बच्चों के लिए पनीमेशन के नए कैरक्टर बनाना और इसी में नौकरी कर रहा था, लेकिन अब वह भाई कभी लौटकर नहीं आएगा। पूरे परिवार पर अब दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, क्योंकि बेटा तो इस दुनिया से चला गया, निलेश के साथ काम करने वाली उसकी प्रेमिका, मंगेतर, होने वाली पत्नी कोलकाता की रहने वाली अनामिका की भी मौत हो गई। अनामिका लखनऊ में निलेश के साथ पनीमेशन सेंटर में जॉब करती थी। बीते रविवार ही अनामिका के माता-पिता ने कोलकाता से आकर दोनों की शादी तय की थी। दोनों साथ में जीने के सपने देख रहे थे लेकिन इस हादसे ने दोनों को साथ में मौत दे दी। इसी हादसे से बचकर निकले एक स्वप्नदीद मोहम्मद आसिफ ने बताया कि आम लगने के बाद कुछ ही देर में स्थिति बेकाबू हो गई थी। उनके अनुसार, इमारत के भीतर धुआं और आग इतनी तेजी से फैली कि वहां मौजूद लोगों के लिए सुरक्षित रूप से बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो गया। आसिफ ने बताया कि यह अपने स्वकर्मियों के साथ दूसरी मंजिल पर काम कर रहे थे, तभी एक वरिष्ठ कर्मचारी ने आकर बताया कि नीचे आग लगा गई है और सभी को अपना काम बंद कर बाहर निकलना चाहिए। शुरुआत में किसी ने नहीं सोचा था कि आग इतना विकराल रूप ले चुकी है।

ट्रंप प्रशासन का एक और नया प्रस्ताव, अमेरिका में ग्रीन कार्ड हो सकता है महंगा

भारतीयों पर पड़ेगा भारी असर

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद अप्रवासियों के सामने कई तरह की नई समस्याएं आने लगी हैं। ट्रंप प्रशासन ने एक नया नियम प्रस्तावित किया है जिसकी वजह से अप्रवासियों के लिए अमेरिकी नागरिक बनने के लिए जरूरी फॉर्म भरने की लागत बहुत बढ़ जाएगी। अगर यह नियम लागू होता है, तो ग्रीन कार्ड भी महंगे हो जाएंगे और इसका असर सीधे-सीधे अमेरिका में रहने वाले भारतीयों पर भी पड़ेगा। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के प्रस्तावित नियम के अनुसार, पेपर के जरिए फॉर्म एन-400 (नागरिकता के लिए आवेदन) भरने की लागत 760 यूएस डॉलर से बढ़कर 1,330 यूएस डॉलर हो जाएगी, यानी इसमें 75 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। जबकि, ऑनलाइन फॉर्म भरने की लागत 710 यूएस डॉलर से बढ़कर 1,280 यूएस डॉलर हो जाएगी, यानी इसमें 80 फीसदी की बढ़ोतरी होगी।

नए प्रस्ताव पर 60 दिनों की मोहलत

जिन लोगों की घरलू आय फेडरल पॉवर्टी गाइडलाइंस के 400 फीसदी से कम है, उनके लिए नागरिकता आवेदन फॉर्म की फीस 380 डॉलर ही रहेगी, इस मामले में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया है। ऊपर के दस्तावेजों के अनुसार, कम फीस वाला विकल्प सिर्फ पेपर फाइलिंग के लिए ही उपलब्ध है। हालांकि, नए नियम में फॉर्म एन-400 के लिए कम फीस करने और आवेदन के लिए फीस माफ़ी को खत्म करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह नया नियम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट और होमलैंड सिक्योरिटी एक्ट, 2002 की अलग-अलग धाराओं के तहत प्रस्तावित किया गया है।

अमेरिका भरोसे ना रहे इजरायल, खुद बनाने होंगे हथियार

बेंजामिन नेतन्याहू का बड़ा बयान

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल को सैन्य रूप से और अधिक आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि देश को अपनी हथियार निर्माण क्षमता विकसित करनी होगी और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करनी होगी। उन्होंने यह बयान ऐसे समय दिया है जब इरान और उससे जुड़े समूहों के खिलाफ इजरायल क्षेत्र में लगातार संघर्ष का सामना कर रहा है। वेस्ट बैंक के कब्जे वाले क्षेत्र गश् एलियोन में रिजर्व कॉन्बैट फोर्स के अफसरों के साथ बैठक के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका से मिलने वाले समर्थन की वह सराहना करते हैं, लेकिन अब इजरायल को अपने रक्षा उत्पादन ढांचे की ओर मजबूत करना होगा। नेतन्याहू ने कहा, 'मैं हमारे अमेरिकी मित्रों से वर्षों से मिले समर्थन और सहयोग की बेहद सराहना करता हूं। लेकिन आज मैं कहता हूं कि हमें हथियार उत्पादन में आत्मनिर्भर होने की जरूरत है। हमें अपने हथियार खुद बनाने होंगे।'

पाकिस्तान में बलूचिस्तान की शेरनी महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा, मचा भारी बवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में स्थित एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने एक बहुत बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने बलूचिस्तान की शेरनी के नाम से मशहूर चर्चित बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह फैसला साल 2024 में ग्वादर में हुई एक रेली के दौरान एक सिक्वोरिटी अफसर की मौत के गंभीर मामले में सुनाया गया है। इस फैसले के बाद पूरे पाकिस्तान और बलूचिस्तान में भारी बवाल और विरोध प्रदर्शनों का एक नया दौर शुरू हो गया है। महरंग बलोच के साथ-साथ बलूच यकजहेती कमेटी के एक और बड़े नेता सिबागुल्लाह शाह को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एंटी-टेररिज्म कोर्ट क्वेटा-1 के जज मुहम्मद अली मोहम्मिन ने सोमवार को यह अहम फैसला सुनाया। यह फैसला उस समय आया जब महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने कोर्ट की पूरी कार्यवाही का कड़ा बॉयकॉट कर रखा था। 12 जून से गिरफ्तार किए गए ये सभी बीवाईसी नेता कानूनी कार्यवाई के विरोध में क्वेटा जेल के अंदर ही अपना धरना दे रहे हैं।

ग्वादर विरोध प्रदर्शन का मामला

बीबीसी उर्दू के अनुसार यह पूरा मामला जुलाई 2024 में ग्वादर में बीवाईसी द्वारा आयोजित बलूच राजी मावी सभा से जुड़ा हुआ है। इस सभा के दौरान एक सिक्वोरिटी अफसर की मौत हो गई थी जिसके बाद यह कार्यक्रम धरने में बदल गया था। इस बड़ी सभा में सिर्फ बलूचिस्तान के लोग ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान और ईरान के बलूच लोग भी शामिल हुए थे।

फैसले पर बीवाईसी की कड़ी निंदा

महरंग बलोच की बलूच यकजहेती कमेटी ने इस उम्रकैद की सजा की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इस अदालती फैसले को पाकिस्तान के बलूच देश के खिलाफ नफरत का इजहार बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस का कोई कानूनी आधार नहीं था और यह सरकार की तानाशाही के बराबर है। संगठन के अनुसार इस फैसले ने विरोध और संघर्ष के एक नए ऐतिहासिक दौर की शुरुआत कर दी है। बीवाईसी ने पाकिस्तान के संस्थानों पर आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण बलूच राजनीतिक एक्टिविज्म को दबा रहे हैं।

दुनिया भर में तेल बेचने को तैयार ईरान, अमेरिका ने हटा लिया बैन

भारत को होगा बड़ा फायदा!

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता के बाद ईरान को 60 दिनों के लिए तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात की छूट मिली है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा जारी लाइसेंस के तहत ईरान 21 अगस्त तक कच्चे तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री कर सकेगा। इस फैसले से वैश्विक तेल बाजार में सल्लाई बढ़ने की उम्मीद है, जिसका फायदा भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे तेल की कीमतों पर दबाव कम हो सकता है और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हो सकती है।



21 अगस्त तक तेल बेच सकेगा ईरान

समझौते के तहत ईरान को 21 अगस्त तक कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल उत्पादों और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, परिवहन और बिक्री की अनुमति दी गई है। इसके बदले ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होमूज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को प्रभावित नहीं करने का आश्वासन दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी वार्ता में सकारात्मक प्रगति हुई है।

हिंदमाता हंकर मौसम एजेंसी मेटियो-फ्रांस ने बताया कि 1947 में रिकॉर्ड रखना शुरू होने के बाद से सोमवार और मंगलवार की रात देश में सबसे गर्म रात रही

भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोग डूबने से मौत, फ्रांस समेत यूरोप में हीटवेव का कहर

हिंदमाता नेटवर्क @ पेरिस

फ्रांस समेत यूरोप के अन्य देशों में भीषण गर्मी की वजह से वैसे 18 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। लेकिन अल जजीरा की एक रिपोर्ट ने चौंका दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए करीब 40 लोग असुरक्षित क्षेत्रों में नदी में उतर गए। इस दौरान सभी की डूबने से मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर युवा हैं यह यूरोप में फ्रांस ही हीटवेव की गंभीरता को दिखाता है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस में अब तक की सबसे गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को एक आपातकालीन बैठक बुलाई गई। बैठक में लोगों को गर्मी से निपटने में मदद करने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए, फ्रांसीसी प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने बताया कि गुरुवार को मरने वालों में ज्यादातर युवा थे। उन्होंने कहा, वे उस संकट के पहले शिकार हैं जिसका हम सामना कर रहे हैं, और इन मौतों को एक दुखद आपदा बताया। ये बातें तब कही गईं जब देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान के लगभग 40 डिग्री सेल्सियस (104 डिग्री फारेनहाइट) तक पहुंचने का अनुमान था। उनकी ये बातें खेल मंत्री मरिना फेराकी के फ्रांस इंटर रेडियो को दिए गए बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि हीटवेव के दौरान बिना इजाजत वाली जगहों पर तैरना एक गंभीर मामला है, कोई मामूली बात नहीं। सरकार इससे निपटने के हर इंतजाम कर रही है।



हीट स्ट्रोक से दो मासूमों की मौत

इसके अलावा, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेटास में अपने घर के बाहर एक कार में बेहोश पाए गए दो बच्चों, जिनकी उम्र दो और चार साल थी। उनकी मौत की सबसे संभावित वजह हीटस्ट्रोक थी। स्थानीय अधिकारी सोफी ब्रोकास ने फ्रांस टीवी को बताया कि बोर्डो इलाके में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 साल की उम्र के तीन और लोगों की मौत हो गई।

सोमवार और मंगलवार की रात सबसे गर्म

मौसम एजेंसी मेटियो-फ्रांस ने बताया कि 1947 में रिकॉर्ड रखना शुरू होने के बाद से सोमवार और मंगलवार की रात देश में सबसे गर्म रात रही। बुधवार सुबह इकठ्ठा किए गए शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, देश का तापमान, जो पूरे फ्रांस के 30 स्टेशनों की रीडिंग का औसत है। 21.6 डिग्री सेल्सियस (70.9 डिग्री फारेनहाइट) तक पहुंच गया। इससे पहले का रिकॉर्ड 21.4 डिग्री सेल्सियस था, जो 25 जुलाई, 2019 को बना था।

बोर्डो और पोइटियर्स सहित कई शहरों में भीषण गर्मी

भीषण गर्मी की लहर ने बोर्डो और पोइटियर्स सहित कई शहरों में तापमान के रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिससे पावर ग्रिड और सार्वजनिक सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा। मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों के लिए हीटवेव (गर्मी की लहर) का अलर्ट जारी किया। जहां एयर कंडीशनिंग का ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता है। वहीं छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों को जल्दी बंद कर दिया गया या उनके समय में बदलाव किया गया।

बिजनेस वर्ल्ड

एआई से आईटी कंपनियों को मिलेगी मजबूती, नहीं है कोई खतरा: नंदन नीलेकणी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

एआई को लेकर कहा जा रहा है कि एआई की वजह से लोगों की नौकरियां जा रही हैं। आने वाले समय में एआई की वजह से और भी लोगों का काम ख़िन सकता है। खासकर आईटी कंपनियों के लिए यह और भयानक साबित हो सकता है। लेकिन इन सबके बीच देश की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के नंदन नीलेकणी जो कहा है वो सबसे अलग है। इन्फोसिस के को-फाउंडर और चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने मंगलवार को कहा कि एआई आईटी कंपनियों की जगह नहीं लेगा, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी 2030 तक 400 अरब डॉलर के एआई-प्रथम सेवाओं के बड़े अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार है। कंपनी की 45वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेरधारकों को संबोधित करते हुए नीलेकणी ने तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों के कारण आईटी उद्योग के सामने मौजूद अस्तित्व से जुड़े सवाल पर चर्चा की। नंदन नीलेकणी के मुताबिक जनरेटिव एआई (जेनएआई) के शुरू होने के तीन साल बाद भी इन्फोसिस पहले से अधिक प्रासंगिक है और आने वाले दशक के लिए अच्छी स्थिति में है। हम बेहतर कोडिंग उपकरणों को अपनाते हुए अपनी उत्पादकता बढ़ा रहे हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर विकास के क्षेत्र में अभी बहुत काम बाकी है। उन्होंने कहा कि बड़े उद्यम ग्राहकों में एआई के उपयोग को लेकर एक अंतर मौजूद है और उसे पाटना ही सबसे बड़ा अवसर है। नंदन नीलेकणी ने कहा, एआई हमारी जैसी कंपनियों की जगह नहीं लेगा। यह उन कंपनियों को और मजबूत करेगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ती हैं और तेजी से खुद को ढालती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्यम समाधान के लिए कठोर परीक्षण, मजबूत संरचना, दोस साइबर सुरक्षा और सख्त डेटा शासन की आवश्यकता होती है, जिसे बाहरी भंघ पर पूरी तरह निर्भर होकर नहीं किया जा सकता। एआई क्रांति ने पुराने प्रणाली के आधुनिकीकरण को जरूरी बना दिया है, जिससे इन्फोसिस को इस संरचनात्मक बदलाव का लाभ उठाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राहक इन्फोसिस पर भरोसा करते हैं कि वह अपने अनुभव के आधार पर उन्हें एंटरप्राइज एआई की जटिलताओं से निपटने में मदद करेगा।

रेलवे का 50,000 करोड़ रुपए का कवच प्रोजेक्ट, इन 3 कंपनियों को मिलेगा फायदा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे यानियों के सफर को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए स्वदेशी कवच सिस्टम को बहुत तेजी से लागू कर रहा है। यह एक ऐसा ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो ब्राइवर से सिग्नल छूटने या तय रफ्तार से ज्यादा स्पीड होने पर ट्रेन को अपने आप रोक देता है। इस बड़े सुरक्षा प्रोजेक्ट से शेयर बाजार में भी हलचल तेज हो गई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, रेलवे का यह पूरा कवच प्रोजेक्ट करीब 50,000 करोड़ रुपए का बड़ा कारोबारी अवसर लेकर आया है। इस प्रोजेक्ट का सीधा फायदा रेलवे सेक्टर से जुड़ी तीन प्रमुख कंपनियों, कर्नेलस माइक्रोसिस्टम्स, कॉन्कोर्ड कंट्रोल सिस्टम्स और एचबीएल इंजीनियरिंग को मिलने की पूरी उम्मीद है, जिनकी ऑर्डर बुक इस समय काफी मजबूत नजर आ रही है। देश में रेल हादसों को रोकने के लिए सरकार का पूरा फोकस इस समय कवच प्रणाली पर है। मार्च 2026 तक यह अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली 3,103 रुट किलोमीटर पर सफलतापूर्वक चालू की जा चुकी है। इसके अलावा, देश के अलग-अलग हिस्सों में 24,427 रुट किलोमीटर पर इसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार की योजना अगले दो वर्षों के भीतर इसमें 9,000 रुट किलोमीटर का नया नेटवर्क जोड़ने की है। रेलवे की इस बड़ी तैयारी से सिग्नलिंग और सेफ्टी सेक्टर की कंपनियों के लिए कमाई के लंबे रास्ते खुल गए हैं।



'ब्रह्मोस' की बढ़ती डिमांड, अब इस मुस्लिम देश को चाहिए भारत से यह मारक मिसाइल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मई 2025 में जब भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी टिकानों पर अटक कर पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया था तो भारतीय सेना के सटीक हमलों और स्वदेशी हथियारों के कोशल से पूरी दुनिया हैरान हो उठी थी। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल की काफी चर्चा और अहम भूमिका रही। आलम यह रहा कि कुछ देशों से इस मिसाइल की डिमांड आने लगी। जब खबर है कि भारत सरकार ने यूएई को अपने कुछ प्रमुख डिफेंस सिस्टम बेचने के लिए बातचीत कर रही है, जिनमें सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' भी शामिल है। न्यूज चैनल रॉयटर्स की रिपोर्ट में 4 भारतीय स्रोतों ने यह दावा किया है। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बाद खाड़ी देश हथियारों की खरीद बढ़ा रहा है। इस मामले की सीधी जानकारी रखने वाले दो स्रोतों ने रॉयटर्स को बताया कि जिन चर्चाओं की पहलें हुई हैं खबर नहीं आई थी, उनमें भारत के एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाशतीर' की संभावित बिक्री भी शामिल है। इस मामले की सीधी जानकारी रखने वाले एक तीसरे स्रोत ने कहा, यूएई ने ब्रह्मोस और आकाशतीर समेत हमारे कई हथियार सिस्टम में दिलचस्पी दिखाई है। भारत और यूएई के बीच बातचीत शुरुआती दौर में है और तेजी से आगे बढ़ रही है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों और यूएई के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोधों का कोई जवाब नहीं दिया। भारत और रूस द्वारा मिलकर बनाई गई ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइलों में से एक है और इसे जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है, जबकि आकाशतीर एक पूरी तरह से ऑटोमैटेड एयर डिफेंस सिस्टम है जिसे भारत की सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और भारतीय सेना ने मिलकर बनाया है। प्रोजेक्ट 'आकाशतीर' भारतीय सेना का एक अत्याधुनिक, ऑटोमैटेड एयर डिफेंस कंट्रोल और रिपॉर्टिंग सिस्टम है, इसे रक्षा मंत्रालय के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक (आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत) से विकसित किया गया है। युद्ध के दौरान ईरान के जबरदस्त हमले के बाद और नए खतरों से निपटने की अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए, यूएई भारत और दूसरे स्रोतों से रक्षा उपकरण खरीदने पर विचार कर रहा है। उसे होमूज जलडमरूमध्य की सुरक्षा भी करनी है, जो उसके ऊर्जा निर्यात के लिए एक बहुत जरूरी रास्ता है। इस साल की शुरुआत में, यूएई ने दक्षिण कोरिया के साथ रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसकी कीमत 35 अरब डॉलर से ज्यादा होगी।



अकासा एयर आईपीओ: इंडिगो-स्पाइसजेट को मिलेगी टक्कर, कंपनी ने बनाया प्लान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आसमान के बाद अब अकासा एयर इंडिगो और स्पाइसजेट को शेर बाजार में भी टक्कर देने की तैयारी कर रहा है। कंपनी का कहना है कि आईपीओ जरूर आएगा, लेकिन तब तक ये पक्का नहीं है। कंपनी के अनुसार कैरियर का आईपीओ अगले दो से 4 साल के बीच में आ सकता है। कंपनी ने सीएफओ का कहना है कि कंपनी की ओर से कई टारगेट्स सेट किए गए हैं। वो टारगेट कितने पूरे होते हैं, उस पर डिपेंड करेगा कि आईपीओ कब तक आएगा। आइए आपको भी बताते हैं कि कंपनी ने सीएफओ की ओर से आईपीओ को लेकर किस तरह का अपडेट दिया है। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) अंकुर गोयल ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन अगले दो से चार साल में अपना आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है, जो इसके विभिन्न लक्ष्यों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइन का आईपीओ आपणा या नहीं यह कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि यह तय है और सवाल बस ये है कि आईपीओ आपणा कब तक। कंपनी ने अगस्त, 2022 में परिवर्तन शुरू किया था, जिसके बाद से यह धीरे-धीरे अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। वर्तमान में एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय शहरों के साथ ही कुल 34 गंतव्यों की रेल सेवाएं दे रही है। इस एयरलाइन के पास अभी 39 विमानों का बेड़ा है और 2032 तक इसका लक्ष्य अपने बेड़े में 226 विमानों का शामिल करना है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि आईपीओ की समग्र-सीमा विभिन्न कारोबारी लक्ष्यों की प्राप्ति पर निर्भर करेगी। इनमें कंपनी की कर पूर्व आय (एबीटए) के स्तर पर लाभ में आना, नकदी प्रवाह को मजबूत करना और समग्र लाभप्रदता का हितार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि आईपीओ लाना तय है, यह आपणा या नहीं ये सवाल ही नहीं बताएँ। सवाल यह बनता है कि यह कब तक आएगा, एयरलाइन सिर्फ आईपीओ लाने के लिए नहीं बनी है, बल्कि हमारा मकसद ऐसी कंपनी लाना है जिसका वास्तव में कोई मूच्य हो।



08

इंग्लैंड में कैसा है
रोहित शर्मा और विराट
कोहली का रेकॉर्ड?



भारत और इंग्लैंड के बीच 14 जुलाई से तीन मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन होगा। यह सीरीज इंग्लैंड में होगी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी यहां एक्शन में दिखेंगे। दोनों टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए सिर्फ वनडे फॉर्मेट में एक्टिव हैं। चलिए, आपको रोहित और विराट का इंग्लैंड में वनडे रिकॉर्ड बताते हैं। दोनों ने आखिरी बार यहां साल 2022 में वनडे मैच खेला था।

इंग्लैंड में रोहित शर्मा का कैसा रेकॉर्ड?	इंग्लैंड में विराट कोहली का कैसा रेकॉर्ड?
‘हिटमैन’ के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ने इंग्लैंड की सरमजी पर 27 वनडे पारियों में 1428 रन बनाए हैं। उनका यहां 64.90 का शानदार औसत रहा है। 39 वर्षीय रोहित ने इंग्लैंड में सात शतकीय और सात अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। रोहित जब पिछली बार यहां वनडे खेलने आए थे तो तीन मैच में 93 रन बटोरें। उनके बल्ले से नाबाद 76 रन के अलावा 17 रनों की छोटी पारी निकली। वह एक मैच में शून्य पर पवेलियन लौटे थे। रोहित के नाम एक हैरतअंगीज कारनामा दर्ज है। वह इंग्लैंड में इंग्लैंड में तीनों फॉर्मेट में इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय क्रिकेटर हैं। रोहित फिर से इंग्लैंड में ममाल मचाने की फिराक में होंगे। वह हाल ही में अफगानिस्तान सीरीज में अच्छी लय में दिखे।	सुपरस्टार विराट कोहली ने इंग्लैंड में 33 वनडे पारियों में 1349 रन जोड़े हैं, जिसमें 51.88 का औसत रहा। इंग्लैंड में चुनिंदा मेहमान खिलाड़ियों का ही औसत 50 से ज्यादा का है। उन्होंने यहां वनडे में एक शतक जमाया और 12 अर्धशतक ठोके। कोहली ने इंग्लैंड में पिछली वनडे सीरीज में सिर्फ दो मुकाबले खेले थे, जिसमें 16 और 17 रनों का योगदान दिया। कोहली ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। उन्हें फिटनेस मंजूरी मिलने की शर्त पर इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। कोहली मासपेशियों में खिंचाव से उबरने के चलते अफगानिस्तान सीरीज में नहीं खेले थे।
इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले भारतीय	
रोहित शर्मा – 1428 रन विराट कोहली – 1349 रन राहुल द्रविड – 1238 रन शिखर धवन – 1142 रन सौरव गांगुली – 1034 रन	इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली (फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हार्दित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल।

पलक तिवारी का बोल्ड अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन पलक तिवारी अक्सर अपने स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। पलक तिवारी ने एक बेहद अट्रैक्टिव मल्टीकलर हॉल्टर-नेक लेदर क्रॉप टॉप और मैचिंग मिनी स्कर्ट में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इस को-ऑर्ड सेट पर बर्नी हॉरिजॉन्टल और वर्टिकल कलरफुल पट्टियां और वेल्ड-बकल जैसी डिटेइलिंग उनके लुक को काफी रफ-एंड-टफ और सेडक्टिव वाइब दे रही हैं।

सूर्याश शेडगे को मिली टीम इंडिया में जगह

टीम इंडिया का 26 जून से आयरलैंड दौरा शुरू होने जा रहा है, जहां दो टी-20 इंटरनेशनल मैच होंगे। उसके बाद भारत को इंग्लैंड में एक जुलाई से पांच टी-20 खेलने हैं। हालांकि, आगामी सीरीज से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोटिल होने के कारण आयरलैंड और इंग्लैंड में नहीं खेलेंगे। उनकी बाई जांच की मासपेशियों में सूजन है और उसके रेड्डी टूट गए हैं। वह कम से कम एक महीने तक बैंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैब करेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने उनके रिफ्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई ने 23 वर्षीय ऑलराउंडर सूर्याश श्रेडगे पर दांव लगाया है। उनकी पहली बार सीनियर टीम में जगह मिली है।

सूर्याश ट्राई सीरीज में खेले थे
सूर्याश ने हाल ही में श्रीलंका में समाप्त हुई वनडे ट्राई सीरीज में इंडिया ए के लिए प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए पांच मैचों में 147 रन बनाए और 23 ओवर बॉलिंग की। वह 2024-25 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने लोअर मिडिल ऑर्डर में 251.92 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजु बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेन्ट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप

दैनिक ठाणे, बुधवार 24 जून, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर



श्रद्धा का ‘ईठा’ में तूफानी डांस

श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ईशा का टीजर रिलीज हो गया है। यह टीजर ऐसा है जिसे देखकर आप अपनी नजरें नहीं हटा पाओगे। वहीं श्रद्धा के जो सीन हैं उन्हें देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। श्रद्धा की इसमें अब तक की बेस्ट परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है।

एक ही दिन में 3 प्रोजेक्ट से निकाले गए थे मनोज बाजपेयी

बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी को आज किसी परिचय की जरूरत नहीं है। उन्होंने सिनेमा जगत में वो मुकाम पाया है, जिसके तमाम लोग सिर्फ सपने देखते रह जाते हैं। मनोज बाजपेयी को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के कुछ सबसे मंझे हुए कलाकारों में गिना जाता है। लेकिन मनोज बाजपेयी ने यहां तक आने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने वो रिजेक्शन कई बार झेला है, जिससे न्यूकमर एक्टर्स घबराते हैं। ऐसा ही एक किस्सा मनोज बाजपेयी शेखर सुमन के एक शो पर सुनाया, जब उन्हें एक ही दिन में 3 प्रोजेक्ट से बाहर कर दिया गया था।

एक ही दिन में 3 प्रोजेक्ट से निकाला

मनोज बाजपेयी ने बताया कि जब आप शहर में आते हो ना, तब जो दिन बुरा होता है ना। और जो महीना बुरा होता है, तब ऐसा लगता है कि अंत ही नहीं है इसका। मनोज बाजपेयी अपनी यादों के पिटारे से एक किस्सा निकाला और बताया कि एक दिन ऐसा था कि मेरे पास तीन काम थे। एक सीरियल में मेरे पास लीड रोल था, एक कॉपीराइट फिल्म में मेरे पास लीड रोल था। एक अपकमिंग सीरियल था, जो शुरू नहीं हुआ था, उसमें मुझे सेकंड लीड रोल मिला हुआ था। मैं तीनों से एक ही दिन निकाल दिया गया।

पहले ही टेक के बाद किया बाहर

मनोज बाजपेयी ने कहा कि मैं शूटिंग करने गया और पहला टेक हुआ। फिर अचानक असिस्टेंट डायरेक्टर और डायरेक्टर किसी कमरे में चले गए। बाद में असोसिएट डायरेक्टर निकला और उसने कहा- तुम इधर आओ। वो कॉन्स्ट्रूस कम में लेकर गया मुझे और कहा कि तुम अपने कपड़े पहन लो। हमें क्या है कि कुछ सही नहीं लग रहा है। दूसरा कुछ हमारे पास होगा तो हम बताएंगे। वो लोकेशन तब दादर स्टेशन के पास था। मैंने कपड़े पहने और अपना बैग लिया, और जब मैं निकल रहा था तो बाकी सारी शूटिंग रुक चुकी थी।

सुसाइड को लेकर कही थी यह बात

मनोज बाजपेयी ने बताया कि क्योंकि बाकी सारी यूनिट क्योंकि फिल्म रुकने की वजह से बाहर थी। मुझे सबसे सामने निकाला गया था। बहुत बेइज्जती महसूस हो रही थी। लेकिन मैं रोया नहीं। मनोज ने बताया कि जब वह ट्रेन में थे तो उन्हें लगा कि उनके पास जो फिल्म है, क्यों न उसके सेट पर जाया जाए। वहां पहुंचने पर उन्हें पता चला कि वहां भी उनकी जगह किसी दूसरे एक्टर को ले लिया गया था। विक्टर जो कि उस वक्त मनोज के अच्छे दोस्त थे, उन्होंने उनसे पूछा कि तू यहां से कमरे पर जाकर सुसाइड तो नहीं करेगा? मत करना, क्योंकि मैं दारु लेकर आ रहा हूँ। मनोज बाजपेयी ने बताया कि इसके बाद जब उन्होंने अपने तीसरे प्रोजेक्ट की शूटिंग से जुड़ी जानकारी लेने के लिए कॉल किया तो वहां उन्हें पता चला कि वहां भी उन्हें निकाल दिया गया है। मनोज बाजपेयी ने जब यह किस्सा शेखर सुमन को बताया तो वह उनसे गले लगे और उनके स्टूडाल को ट्रिब्यूट दिया।

कोरियन फिल्म में काम करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं अनुष्का सेन

एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने बड़ी अपलब्धि हासिल की है। वह साउथ कोरियन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनने वाली हैं। 23 साल की यह स्टार आने वाली रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा ‘जेजू ओले’ में लीड रोल निभाएंगी, जो भारत और साउथ कोरिया के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग है।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म में अनुष्का ने अलीशा का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन को खोने के दुख से उबरने की कोशिश करते हुए साउथ कोरिया के खूबसूरत जेजू आइलैंड पर पहुंचती है। जब वह अपनी भावनाओं को समझने और अपनी जिंदगी को फिर से संवरने की कोशिश करती है, तो उसका सिंगर-सॉनराइडर सुनवु (जिसे कोरियन एक्टर कांग ह्युंग-सोओक ने निभाया है) के साथ एक रिश्ता बन जाता है। फिल्म की कहानी जेजू आइलैंड की खूबसूरत लोकेशन पर आधारित है।

कोरियन इंडस्ट्री के बारे में की बात

हाल ही में, अनुष्का ने ‘द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया’ से फिल्म में काम करने के अपने अनुभव, साउथ कोरिया के साथ अपने लंबे समय से बने आ रहे जुड़ाव और एक नई एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।

अनुष्का को पसंद हैं कोरियन फिल्में

इस प्रोजेक्ट के महत्व पर बात करते हुए, उन्होंने कहा कि ‘जेजू ओले’ का महत्व इसलिए और भी ज्यादा है क्योंकि यह एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं।

कहां रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म कई जगहों के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसकी शूटिंग पूरे जेजू आइलैंड पर हुई है। फिलहाल, इसे साउथ कोरिया, भारत और कई अन्य एशियाई और मिडिल ईस्ट देशों में रिलीज करने की योजना है।

कैसा है श्रद्धा की ईशा का टीजर

टीजर की शुरुआत होती है एक तमाशा मंडली से जहां कई सारे मर्द टिकट ले रहे हैं। इसके बाद दिखाया जाता है कि कई सारे मर्द एक तरफ स्टैंड के नीचे बैठे हैं और सामने स्टैंड पर परफॉर्मेंस चल रही होती है। लेकिन तभी वो लोग चिल्लाते हैं कि हमें ईशा चाहिए। वहीं दूसरी तरफ दिखाया जाता है कि ईशा जो प्रेमेंट है उसे डिलीवरी वाला दर्द होता है। इसके बाद ईशा से कोई कहता है कि अभी जाएंगी तो मर जाएंगी। इस पर ईशा बोलती है कि पड़े-पड़े मरी तो बेचारी कहावाहंगी और नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी।

किस पर बनी है फिल्म ईशा

फिल्म की कहानी विटाबाई नारायणगावकर पर निर्धारित है जो मराठी तमाशा की पॉपुलर लावणी परफॉर्मर थीं। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा, अनंत जोशी हैं। मूवी को लक्ष्मण उतेकर डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं दिनेश विज्जन इसे मैजिक फिल्मस से प्रोड्यूस कर रहे हैं।

मैडॉक के साथ श्रद्धा का दोबारा कोलैब्रेशन

मैडॉक के साथ यह श्रद्धा की पहली फिल्म नहीं है। इससे पहले वह उनके साथ स्त्री और स्त्री 2 में काम कर चुकी हैं। स्त्री 2 ने तो वर्ल्डवाइड 880 करोड़ की कमाई की थी।

रिलीज से पहले वायरल हुआ था टीजर

बता दें कि कॉकटेल 2 की रिलीज के साथ ही थिएटर पर ईशा का टीजर रिलज हो गया था और यह टीजर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। वायरल होने के बाद फैंस की डिमांड थी कि इसे सोशल मीडिया पर भी रिलीज किया जाए। वहीं श्रद्धा ने फिर सोशल मीडिया पर मंगलवार को अपने ईशा वाले लुक को शेयर कर लिखा, तैयार हो...आ रही है ईशा। श्रद्धा की 2 साल बाद फिल्म आ रही है। लास्ट उनकी फिल्म स्त्री 2 थी जो साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसके बाद से उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई। वहीं अब साल 2026 में उनकी फिल्म ईशा आएगी जिससे फैंस को बहुत उम्मीद है।

ऑनलाइन कैसे लीक हुआ ‘ईठा’ का टीजर?

फिल्म ‘ईठा’ का ट्रेलर बीते दिनों ‘कॉकटेल 2’ के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। इसी के बाद टीजर ऑनलाइन भी लीक हो गया। टीजर के कुछ हिस्से के विलप सोशल मीडिया पर वायरल हुए और श्रद्धा कपूर के अदाकारी की खूब तारीफ हुई। अब मेकर्स ने आधिकारिक रूप से टीजर रिलीज कर दिया है।

नौ माह के गर्भ के साथ मंच पर दिखीं श्रद्धा!

टीजर की शुरुआत होती है भाऊ गांवकर तमाशा मंडल के कार्यक्रम से, जहां ईठा की प्रस्तुति देखने भी आती है। मगर, मंच पर ईठा को न देख दर्शक दीर्घा से लोग बोलते हैं कि अरे ईठाबाई को बुलाओ। उधर ईठाबाई बैकस्टेज नौ माह के गर्भ के साथ दिखाई देती हैं और अपनी प्रसव प्रक्रिया खुद कर रही होती हैं। बच्चे की किलकारी सुनाई देती है और इसी के साथ ईठा चिंतित होकर कहती है कि ऐसे नहीं जा सकती। तैयारी करनी होगी। ऐसे वक़्त में भी वह मंच पर आती हैं और अपनी दमदार प्रस्तुति देती हैं। श्रद्धा कपूर बिठाबाई के किरदार में पूरी तरह डल गई हैं।